हिंदी डेली

आपकी बात– हमारे साथ

dailyhindihyd@gmail.com E-paper-hindidailyweb.in http://hindidaily.net

VOLUM NO : 14 ISSUE NO : 301 Friday, 20 September, 2024 शुक्रवार, २० सितम्बर २०२४ HYDERABAD 8 PAGES RS.1.00

तेलंगाना के ताज में गहने
प्रजा पालना में मील का पत्थर

राजीव रहदारी
एलिवेटेड कॉरिडोर

बोइनपल्ली डबल
डेकर कॉरिडोर

फसल बीमा
योजना लागू

नारायणपेट-कोडंगल
लिफ्ट सिंचाई

जीनोम वैली
चरण 2

गिरीजन निगम
का गठन

जाति जनगणना की मंजूरी

200 यूनिट
मुफ्त बिजली

टीएसआरटीसी कर्मचारियों
को 21 प्रतिशत फिटमेंट

धरणी पोर्टल
सुधार का प्रयास

सभी योग्य लोगों को
सफेद राशन कार्ड

4.5 लाख
इंदिरम्मा मकान

धरणी में एक लाख
से अधिक शिकायतें हल

2008 योग्य डीएससी
अभ्यर्थियों को
नौकरियाँ

गदर जयंती
का आधिकारिक आयोजन

11062 पदों की भर्ती
हेतु मेगा डीएससी

प्रजा पालना
की शुरुआत

प्रजावाणी

महिलाओं के लिए
मुफ़्त आरटीसी बस यात्रा

6 गारंटियों पर
प्रथम हस्ताक्षर

28,030 सरकारी
नौकरियों की भर्ती

राजीव आरोग्यश्री के तहत
10 लाख रुपये की मुफ्त
चिकित्सा सहायता

महिला सशक्तिकरण के लिए
महिला शक्ति

563 पदों की भर्ती
हेतु ग्रुप-I अधिसूचना

रैतु नेस्तम

महिला एसएचजी को पांच साल में
एक लाख करोड़ रुपये का ऋण

दावोस में
40,000 करोड़ रुपये
का निवेश अनुबन्ध

महिलाओं के लिए
ब्याज मुक्त ऋण

टीएस से टीजी
में वाहन पंजीकरण का
परिवर्तन

सभी सरकारी कर्मचारियों को
हर माह की पहली तारीख
को तनख्वाह

महिला समुदाय
के लिए ऋण बीमा

16 जाति
आधारित निगम

500 रुपये में
सिलेंडर

टीएसपीएससी
पुनर्गठन

महिलाओं के लिए
10 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा

जीओ 317 व 46 पर
कैबिनेट उप–समितियाँ

गदर पुरस्कार

टीएसआरटीसी
बसों में महिलाओं के लिए
मुफ्त यात्रा

राजीव आरोग्यश्री
के तहत 10 लाख रुपये
की मुफ्त चिकित्सा
सहायता

200 यूनिट
मुफ्त बिजली

गृह निर्माण हेतु
5 लाख की
वित्तीय सहायता

500 रुपये मे
सिलेंडर

जारीकर्ता विशेष आयुक्त, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, तेलंगाना सरकार

प्रगति का मार्ग...सभी का कल्याण...हमारी जनता का शासन

संपादकीय

अगली कार्रवाई पर सबकी नजरें...

कोलकाता प्रशिक्षु महिला चिकित्सक से बलात्कार और उसकी हत्या मामले में आखिरकार सरकार और प्रदर्शनकारी चिकित्सकों के बीच समझौता हो गया है। मंगलवार को इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई थी। उसके पहले रात को मुख्यमंत्री आवास पर प्रदर्शन कर रहे कनिष्ठ चिकित्सकों के साथ बैठक हुई, जिसमें मुख्यमंत्री ने चिकित्सकों की सारी मांगें मान लीं। फिर सुप्रीम कोर्ट में कनिष्ठ चिकित्सकों ने काम पर लौटने को लेकर सहमति जता दी। निस्संदेह यह बड़ी राहत की बात है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले का स्वत:-संज्ञान लिया था और सीबीआइ से जांच कराने का आदेश दिया था। मंगलवार को सुनवाई में अदालत के तीन जजों की पीठ ने कहा कि वे सीबीआइ की जांच से संतुष्ट हैं और उसमें कई महत्त्वपूर्ण तथ्य सामने आए हैं। करीब हफ्ता भर पहले भी सर्वोच्च न्यायालय ने प्रदर्शन कर रहे कनिष्ठ चिकित्सकों से काम पर लौटने की अपील की थी। मगर वे काम पर नहीं लौटे। अब उनसे बातचीत के बाद पश्चिम बंगाल सरकार ने कहा है कि आंदोलन कर रहे किसी भी कनिष्ठ चिकित्सक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी।

हालांकि ममता बनर्जी कहती रही हैं कि इस मामले में जो भी कठोर कदम हो सकते हैं, उनकी सरकार उठाएगी। सीबीआइ जांच का प्रस्ताव भी उन्होंने शुरू में ही रख दिया था। कुछ अस्पताल कर्मियों और पुलिस कर्मियों को तभी निलंबित कर दिया गया था। जांच में तथ्यों के मुताबिक कुछ पूर्व अस्पताल कर्मियों के खिलाफ भी शिकंजा कसा गया। अब प्रदर्शन कर रहे चिकित्सकों की मांग पर पुलिस आयुक्त, उपायुक्त और स्वास्थ्य विभाग के दो निदेशकों को भी हटा दिया जाएगा।

चिकित्सकों की सुरक्षा के मद्देनजर अस्पतालों में उनके विश्राम स्थल को सुविधाजनक बनाने, सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाने जैसे कुछ उपाय किए जाएंगे। इसके अलावा अस्पतालों में निगरानी समिति और शिकायत निवारण समिति के गठन पर भी सहमति बनी है। पश्चिम बंगाल सरकार बलात्कार के मामले में कानून को पहले ही सख्त बना चुकी है। इस तरह लंबे समय तक बाधित रहे अस्पतालों के कामकाज में अब गति आ सकने की स्थिति बनी है।

दरअसल, कोलकाता प्रशिक्षु चिकित्सक प्रकरण इसलिए भी लंबे समय तक उलझा रहा कि उसे सियासी रंग दे दिया गया था। पश्चिम बंगाल सरकार प्रदर्शनकारियों के हक की सुरक्षा करते हुए उनसे बातचीत करने की अपील तो करती रही, मगर वे काफी समय तक बातचीत की मेज पर नहीं आए। इस तरह अस्पतालों का कामकाज बाधित रहा, मरीजों को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ा। शुरू में कोलकाता के चिकित्सकों के समर्थन में देश के विभिन्न हिस्सों में डाक्टर हड़ताल पर चले गए थे, उससे व्यापक समस्या पैदा हो गई थी। मगर सर्वोच्च न्यायालय की अपील पर कोलकाता को छोड़ कर बाकी जगहों के चिकित्सक वापस काम पर लौट गए थे। दरअसल, चिकित्सकों के काम पर न लौटने का खमियाजा नाहक मरीजों को भुगतना पड़ता है। बहुत सारे नाजुक स्थिति में पहुंच चुके मरीजों की जान पर बन आती है। इसलिए कोशिश यही थी कि वे काम पर लौटें। हालांकि चिकित्सकों के रोष को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। उन्हें अनेक विपरीत परिस्थितियों में काम करना पड़ता है। सर्वोच्च न्यायालय भी उन स्थितियों से वाकिफ है और कई मौकों पर राज्य सरकारों को उन्हें सुधारने का निर्देश दे चुका है। कोलकाता प्रकरण में हुए समझौते दूसरे अस्पतालों के लिए भी नजीर बनेंगे।

मनमानी के विरुद्ध सुप्रीम कोर्ट सख्त

किसी गैरकानूनी गतिविधि या अपराध का आरोप झेल रहे व्यक्ति के घर या अन्य निर्माण को बुलडोजर से ध्वस्त करने पर लगातार सवाल उठ रहे थे। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर कथित 'बुलडोजर न्याय' के मसले पर जो राय जाहिर की है, वह राज्य सरकारों और संबंधित महकमों के लिए विचार करने का विषय है। यह बड़ी विडंबना है कि अगर कोई व्यक्ति किसी अपराध के आरोप में पकड़ा जाता है, तो उसके खिलाफ कानूनी प्रक्रिया के तहत कार्रवाई करने के बजाय अन्य कारणों का हवाला देकर उसका घर ढहा दिया जाए। ऐसे ही एक मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक अक्तूबर तक के लिए देश भर में बुलडोजर से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पर रोक लगा दी और कहा कि बिना उसकी अनुमति के एक भी निर्माण न ढहाया जाए। हालांकि यह आदेश सार्वजनिक सड़क, फुटपाथ और किसी अनधिकृत निर्माण पर लागू नहीं होगा। दरअसल, पिछले कुछ समय से कुछ राज्यों में किसी व्यक्ति पर महज आरोप लगने के बाद उसके घर को बुलडोजर से ध्वस्त करना एक जरूरी कार्रवाई मान ली गई थी। जबकि ऐसी कार्रवाई को मनमाने तौर-तरीके और उसके महिमामंडन के रूप में देखा जा रहा था। इसी के मद्देनजर शीर्ष अदालत ने बुलडोजर कार्रवाई का महिमामंडन बंद करने को कहा। हालांकि उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से महाधिवक्ता का कहना था कि ध्वस्तीकरण की कार्रवाई कानूनी प्रक्रिया के तहत की गई। गौरतलब है कि बुलडोजर चलाने के एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में कहा था कि एक व्यक्ति के सिर्फ आरोपी या यहां तक कि दोषी होने के बावजूद इस वजह से उसका घर नहीं गिराया जा सकता है। एक लोकतांत्रिक और कानून के शासन वाले देश में किसी एक शख्स की गलती की सजा उसके परिजनों को उसके घर को ध्वस्त करके नहीं दी जा सकती। ऐसी कार्रवाई कानून के शासन पर ही बुलडोजर चलाने जैसा होगा। संभव है कि किसी घर को अवैध निर्माण होने या अन्य तकनीकी आधार पर ध्वस्त किया गया हो, लेकिन अगर ऐसी कार्रवाई की तात्कालिक वजह आपराधिक कृत्य में आरोपी होना प्रतीत हो रही हो, तो उसे कैसे देखा जाएगा!

आज का कार्टून

पीएम मोदी की तस्वीर को भगवान विश्वकर्मा के रूप में बनवाकर की पूजा

पहले अपने गिरेबां में झांके ईरान...

सुधांशु माहेश्वरी

> भारत में मुस्लिमों की कैसी हालत है, भारत में मुस्लिमों के पास क्या अधिकार हैं, इस बार में जितना खुद भारत नहीं सोच पाता है, उससे ज्यादा दूसरे मुल्क इसकी चिंता करते हैं। कई मौकों पर तो सर्टिफिकेट बांटने का काम भी होता है। जिस तरह से मानवाधिकारों को लेकर अमेरिका हर साल भारत को सलाह देने का काम करता है, अब ईरान भी उस दिशा में आगे बढ़ चुका है। उसने कह दिया है कि अगर भारत के मुसलमानों को लेकर दूसरे मुसलमान चिंता नहीं करेंगे तो वे सच्चे मुस्लिम नहीं होंगे।

असल में ईरान के सुप्रीम लीडर आयातुल्लाह अली ख़ामेनेई का सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट वायरल है। उस पोस्ट में उन्होंने लिखा कि हम खुद को असली मुस्लिम नहीं मान सकते अगर हम उन मुस्लिमों के दर्द को नहीं समझ सकते जो म्यांमार, गाजा, भारत या फिर किसी दूसरी जगह पर रह रहे हैं। अब क्योंकि खामेनेई ने भारत का नाम प्रमुखता से लिया, उन्हें जवाब भी उतना ही मुंहतोड़ मिला। विदेश मंत्रालय की तरफ से इस बयान पर आपत्ति तो जताई ही गई, आईना दिखाने का काम भी हुआ। दो टूक कहा गया कि अल्पसंख्यकों पर बयानबाजी करने वाले देशों को अपना खुद का रिकॉर्ड भी देखना चाहिए।

अब भारत का यह बयान ही बताने के लिए काफी है कि दूसरे देशों में मुस्लिमों के जैसे हालात हैं, उसे देखते हुए हिंदुस्तान में तो इस समुदाय को ज्यादा अधिकार भी हैं, आजादी भी है और सुरक्षा तो मिल ही रही है। अब इस पूरे मामले को तथ्य के साथ समझना जरूरी हो जाता है। तथ्य वो हैं जिन्हें आंकड़ों के जरिए साबित किया जा सके। ऐसे में सबसे पहले यह जानते हैं कि आखिर मुस्लिमों के खिलाफ सबसे ज्यादा हेट क्राइम के मामले में किस देश में देखने को मिलते हैं? यहां यह जरूर समझ लीजिए कि भारत इस लिस्ट में काफी नीचे आता है।

दुनिया का सबसे ताकतवर मुल्क अमेरिका इतने सालों बाद भी मुस्लिमों को वो सुरक्षा नहीं दे पाया है जिसकी उम्मीद यह समुदाय लगाए बैठा है। जानकार मानते हैं कि 9/11 अटैक के बाद से ही अमेरिका में 'इस्लामोफोबिया' काफी ज्यादा बढ़ चुका है, आलम यह है कि मुस्लिमों के साथ तरह-तरह का भेदभाव होता है। अमेरिकी-इस्लामिक संबंध परिषद की पिछले साल की रिपोर्ट बताती है कि अमेरिका में मुस्लिमों के खिलाफ नफरत और हेट क्राइम में बड़ी बढ़ोतरी देखने को मिली है। यहां भी हमास और इजरायल के युद्ध के बाद से तो मुस्लिमों को और ज्यादा निशाने पर लिया गया है।

आंकड़े बताते हैं कि अमेरिका में सीएआईआर को पिछले साल कुल 8061 शिकायतें मिली थीं। सबसे ज्यादा शिकायतें तो इमिग्रेशन और असायलम को लेकर रहीं, इसके बाद रोजगार में हो रहे भेदभाव को लेकर भी शिकायत की गई। दावा तो यहां तक हुआ कि शिक्षा संस्थानों में भी मुस्लिमों को समान अधिकार नहीं मिल पा रहे। 7.5 प्रतिशत कंप्लेन ऐसी रहीं जहां दावा हुआ कि मुस्लिमों को हेट क्राइम का शिकार बनाया गया। अब यह सबकुछ भारत में नहीं अमेरिका में हुआ है, वहां पर लगातार इस समुदाय की तरफ से शिकायत की गई हैं।

अब अमेरिका में सीएआईआर एक काफी पुरानी संस्थान है जो लंबे समय से मुस्लिमों पर हो रहे अत्याचारों का रिकॉर्ड रख रही है। अगर उसकी तमाम रिपोर्टों पर नजर दौड़ाई जाए तो पता चलता है कि सबसे ज्यादा मुस्लिमों के साथ भेदभाव, उनके खिलाफ हेट क्राइम बाइडेन प्रशासन के दौरान हुआ है। असल में बिल क्लिंटन के समय में सिर्फ 80 ऐसे मामले सामने आए थे, ज्वार्ज बुश के कार्यकाल में 2753 ऐसी शिकायतें देखने को मिलीं, ओबामा के राष्ट्रपति रहते हुए 5650 मामले सामने आए, ट्रंप प्रशासन के वक्त 6720 शिकायतें मुस्लिमों के द्वारा की गईं। लेकिन हैरानी की बात यह है कि बाइडेन प्रशासन में यह आंकड़ा सबसे ज्यादा दर्ज किया गया है, वर्तमान में मुस्लिम समाज ने सीएआईएसआर को 8061 शिकायतें कर डाली हैं। यह बताने के लिए काफी है कि अमेरिका में हालात चिंताजनक हैं, यहां पर मुस्लिमों को सुरक्षित माहौल नहीं मिल पा रहा है।

अब अमेरिका के बाद ब्रिटेन की बात भी करनी चाहिए क्योंकि यह देश भी खुद को विकसित देश के रूप में देखता है। यहां भी वर्ल्ड क्लास सुविधाएं हैं, लेकिन मुस्लिमों को सुरक्षा देने के मामले में यह भी पिछड़ चुका है। यहां भी मुस्लिमों के खिलाफ हेट क्राइम के रिकॉर्ड मामले सामने आए हैं। तमाम रिपोर्ट इस बात की पुष्टि कर रही हैं कि ब्रिटेन भी इस समाज के लिए इतना सुरक्षित नहीं। आंकड़ा ज्यादा पुराना नहीं है, 2021 तक इंग्लैंड और वेल्स में सबसे ज्यादा हेट क्राइम मुस्लिमों के खिलाफ सामने आए हैं। दूसरे नंबर पर यहूदी समाज के लोग आते हैं जिन्हें यहां पर नफरत, हिंसा का सामना करना पड़ा है।

ब्रिटेन के ही गृह मंत्रालय ने बताया था कि मार्च 2020 से मार्च 2021 के बीच में हेट क्राइम 9 फीसदी तक बढ़ गए थे और कुल शिकायतें 124,091 दर्ज की गईं। यहां भी अगर सिर्फ मुस्लिमों की बात करें तो 45 फीसदी हेट क्राइम वाली शिकायतें तो उनकी तरफ से ही आई थीं। यानी कि 6,377 मामले सिर्फ इस समुदाय ने रिकॉर्ड करवाए थे। इसी तरह अगर 2022 से 2023 के रिकॉर्ड को खंगाला जाए तो आंकड़ा और डराने वाला सामने आआ है, अकेले मुस्लिमों के खिलाफ हेट क्राइम के 3400 मामले सामने आ चुके हैं।

अब हैरानी की बात यह है कि ईरान के सुप्रीम लीडर को भारत दिखाई देता है, लेकिन वे अमेरिका और ब्रिटेन के खिलाफ बोलने की जहमत नहीं दिखा पाते। ईरान का तो आईना दिखाना इसलिए भी हैरान करता है क्योंकि एक इस्लामिक देश होने के बावजूद भी वहां मुस्लिमों की हालत काफी पतली है, इसके ऊपर महिलाओं को तो जिस तरह से नियमों की बंदिशों में बांधकर रखा जाता है, उससे पता चलता है कि भारत कितना खुले विचारों वाला है, वहां पर किस तरह से हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों को समान अधिकार दिए गए हैं। ईरान में आज भी मुस्लिम महिलाओं को अगर घर से बाहर निकलना है तो उन्हें हिजाब पहनना ही पड़ेगा। भारत में भी मुस्लिम महिलाएं कई मौकों पर हिजाब पहनती हैं, लेकिन उन पर कोई बाध्यता नहीं है। ईरान में ऐसे कानून चल रहे हैं जिस वजह से हर मोर्चे पर मुस्लिम महिलाओं को भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है।

उदाहरण के लिए ईरान में अगर किसी मुस्लिम महिला को नौकरी करनी है, तो उन्हें अपने पति से इजाजत लेना जरूरी है। जब तक पति हां नहीं बोल देता, पत्नी वहां काम ही नहीं कर सकती। अब ईरान इसे भेदभाव मानता है या अपने धर्म का हिस्सा, इसका फैसला उसे खुद करना है। वैसे ईरान में तो मुस्लिम महिलाएं आसानी से अपनी पति से डिवोर्स भी नहीं ले सकती हैं। उन्हें अगर अपने पति से अलग होना भी है तो उन्हें कोर्ट जाना पड़ेगा, अगर वहां से आदेश आया तब जाकर प्रक्रिया पूरी होगी। वही पति तो सिर्फ मुंह से बोलकर ही अपनी पति से अलग हो सकता है। दूसरी तरफ भारत में तो ट्रिपल तलाक की प्रथा पर ही रोक लगा दी गई है, यहां पर पति-पत्नी के लिए डिवोर्स के भी समान अधिकार चल रहे हैं।

हैरानी की बात यह है कि ईरान में आज भी मुस्लिम पति तो चार शादियां कर सकता है, लेकिन पत्नी को सिर्फ एक निकाह करने की मंजूरी रहती है। वहां भी जब तक महिला को अपने पिता की इजाजत नहीं मिल जाती, वो लड़क से शादी नहीं कर सकती। ईरान में एक मुस्लिम पति किसी दूसरे धर्म की लड़की से भी निकाह कर सकता है, लेकिन मुस्लिम महिलाओं को सिर्फ अपने धर्म में ही शादी करने की इजाजत रहती है।

इसके ऊपर ईरान में मुस्लिम महिलाओं के साथ टॉर्चर होता है, उसका जिक्र कहीं नहीं हो रहा। अगर महिला ने ईरान में हिजाब नहीं पहना है, तो उस पर जुर्माना तो लगेगा ही, 74 बार कोड़े मारने का भी प्रावधान है। अब यह सब कुछ भारत में अगर होने लगे तो तुरंत केस भी होगा और सख्त सजा भी मिलेगी।

अब यह सब बताने के लिए काफी है कि ईरान खुद अपने मुस्लिम लोगों का ठीक से ध्यान नहीं रख पा रहा है, वहां की महिलाओं को ना के समान अधिकार दिए जा रहे हैं। लेकिन क्योंकि किसी पर तो अंगुली उठानी है तो भारत को टारगेट करने की कोशिश हो रही है। वैसे एक आंकड़ा तो यह भी बताता है कि जितने ईरान की इस समय जनसंख्या है, उससे ज्यादा मुस्लिम भारत में रहते हैं। दुनिया की जितनी मुस्लिम आबादी है, उसकी 11 फीसदी अकेले भारत में रहती है। इसके ऊपर भारत में तो मुस्लिमों की संख्या लगातार बढ़ रही है, वही पाकिस्तान जैसे मुस्लिम देशों में जो अल्पसंख्यक समाज के लोग हैं, उनकी आबादी बस घटती जा रही है। ऐसे में भारत में तो तमाम विवादों के बावजूद भी मुस्लिम समाज आराम से रह रहा है, लेकिन खुद को मुस्लिम देश बताने वाले मुल्क ही अपने समाज को असल न्याय नहीं दे पा रहे।

विपत्ति में निस्वार्थ मदद से ही प्रकट होता है सच्चे दोस्त का मूल्य

> संगति का प्रभाव व्यक्ति के गुणों और उसके चरित्र पर गहरा प्रभाव डालता है। अच्छी संगति से व्यक्ति के गुणों में निखार आता है, जबकि बुरी संगति से वे गुण नष्ट हो जाते हैं। इसलिए, जीवन में सुख और समृद्धि प्राप्त करने के लिए किसी को भी अच्छी संगति का चयन करना चाहिए। यह जगजाहिर तथ्य है कि मित्रता का व्यक्तित्व पर गहरा प्रभाव पड़ता है। यह न केवल हमारे चरित्र को निखारती है, बल्कि हमारे जीवन के निर्णयों और सोचने के तरीके को भी प्रभावित करती है। जैसे सुगंधित वस्त्रों से सज्जित शरीर, वैसे ही उत्तम मित्रता से सजा हुआ मनुष्य का व्यक्तित्व।

पल्लवी सिंह

मित्रता एक ऐसा विषय है, जो इस समाज के लिए सबसे ज्यादा विचार का मामला रहा है और यह ऐसा विषय भी रहा है, जिस पर सबसे ज्यादा लिखा गया है। फिर भी समय के साथ इसके अलग-अलग रूप का सामना करते हुए इस पर विचार करने, सोचने का आग्रह कई बार हावी हो जाता है। दरअसल, मित्रता मानव जीवन की सबसे महत्त्वपूर्ण और मूल्यवान धरोहरों में से एक है। यह केवल सामाजिक संबंधों का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह मानसिक संतुलन, भावनात्मक स्थिरता और आत्मीयता के अद्वितीय अनुभवों का स्रोत भी है। मित्रता विश्वास, समर्पण और निश्छल प्रेम की डोर से बंधी होती है, जो जीवन को एक नया अर्थ और उद्देश्य दे जाती है। इसके अभाव में मनुष्य मानसिक और भावनात्मक रूप से अस्थिर हो सकता है, क्योंकि यह जीवन के उन पहलुओं को उजागर करती है, जिन्हें अन्य किसी भी संबंध में पूरी तरह से व्यक्त नहीं किया जा सकता। इस संदर्भ में यह टिप्पणी अहम है कि मित्रता की परीक्षा विपत्ति में दी गई मदद से होती है और वह मदद निस्वार्थ होनी चाहिए। यह कथन मित्रता के वास्तविक स्वरूप को उजागर करता है। विपत्ति के क्षणों में, जब जीवन अंधकारमय और निराशाजनक प्रतीत होता है, एक सच्चा मित्र आशा की किरण बनकर सामने आता है। वह तन, मन और धन से अपने मित्र की सहायता करता है और उसे विपत्ति के गहरे गर्त से बाहर निकालता है। ऐसी स्थिति में मित्रता का वास्तविक मूल्य और उसकी गहनता स्पष्ट रूप से सामने आती है।

हालांकि, मित्रता को निभाना जितना कठिन है, उतना ही यह भी सत्य है कि वर्तमान समय में मित्रता का अर्थ और उद्देश्य बदलता जा रहा है। दरअसल, आजकल कई मामलों में यह देखा जा सकता है कि मित्रता का उपयोग केवल स्वार्थ साधने के लिए किया जाता है। लोग केवल अपने हितों को साधने का प्रयास करते हैं और समय पड़ने पर साथ छोड़ देते हैं। ऐसे में मित्रता की वास्तविकता पर प्रश्नचिह्न खड़ा हो जाता है। अरस्तू ने सही ही कहा है कि 'मित्रों के बिना कोई भी जीना पसंद नहीं करेगा, चाहे उसके पास बाकी सब अच्छी चीजें क्यों न हों।' सच यह है कि मित्र जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा है, जो इसकी समृद्धि और संपन्नता में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

हम सभी अपने जीवन में एक ऐसे सच्चे और अच्छे मित्र की तलाश में रहते हैं, जो हमारे जीवन के कठिन समय में हमारा साथ दे, हमारी बातों को समझे और हमारे सुख-दुख में समान रूप से भागीदार बने। यह वह संजीवनी है, जो हमें सभी रिश्तों और संकोच से ऊपर उठाकर अपने मित्र के साथ अपने विचारों और भावनाओं को साझा करने की स्वतंत्रता देती है। वह, जो हमें सही दिशा दिखाए, न कि हर परिस्थिति में हमारा साथ देने के नाम पर हमारी गलतियों को अनदेखा करे। मित्रता का असली मापदंड यही है कि हमारा मित्र हमें अच्छे कार्यों के लिए प्रोत्साहित करे और गलतियों पर हमें सही दिशा दिखाए।

संगति का प्रभाव व्यक्ति के गुणों और उसके चरित्र पर गहरा प्रभाव डालता है। अच्छी संगति से व्यक्ति के गुणों में निखार आता है, जबकि बुरी संगति से वे गुण नष्ट हो जाते हैं। इसलिए, जीवन में सुख और समृद्धि प्राप्त करने के लिए किसी को भी अच्छी संगति का चयन करना चाहिए। यह जगजाहिर तथ्य है कि मित्रता का व्यक्तित्व पर गहरा प्रभाव पड़ता है। यह न केवल हमारे चरित्र को निखारती है, बल्कि हमारे जीवन के निर्णयों और सोचने के तरीके को भी प्रभावित करती है। जैसे सुगंधित वस्त्रों से सज्जित शरीर, वैसे ही उत्तम मित्रता से सजा हुआ मनुष्य का व्यक्तित्व। इसके विपरीत, बुरी संगति मनुष्य को पतन की ओर धकेल सकती है। इसीलिए यह जरूरी है कि हम अपने मित्रों का चयन अत्यंत सावधानी और विवेकपूर्वक करें, ताकि उनकी संगति से हमारे व्यक्तित्व को निखार मिले और हमारे जीवन में सकारात्मक बदलाव आए।

मित्रता का मूल्यांकन केवल इसके स्थायित्व और समर्थन में नहीं है, बल्कि इसमें भी है कि यह हमें जीवन के विभिन्न पहलुओं को समझने और उन्हें सही तरीके से अपनाने में मदद करती है। मित्रता का असली स्वरूप तब प्रकट होता है, जब हम अपने मित्रों के साथ मिलकर जीवन की चुनौतियों का सामना करते हैं, उनसे सीखते हैं और एक दूसरे के जीवन को समृद्ध करते हैं। यह प्रक्रिया हमें न केवल व्यक्तिगत रूप से विकसित करती है, बल्कि हमें सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से भी समृद्ध बनाती है। सच यह है कि मित्रता का मूल्यांकन उसके प्रभाव, योगदान और समर्थन के आधार पर किया जाना चाहिए। यह जीवन के उन पहलुओं को उजागर करती है, जिन्हें अन्य किसी भी संबंध में पूरी तरह से व्यक्त नहीं किया जा सकता। इसका सही अर्थ तभी समझा जा सकता है जब हम इसे अपने जीवन में पूर्ण रूप से अपनाते हैं और इसे अपनी सोच, विचारधारा और कार्यों में अभिव्यक्त करते हैं।

मुश्किल यह है कि आज तेज रफ्तार से भागती-दौड़ती जिंदगी में मित्रता को भी सतही अर्थों में लिया जाने लगा है। ऐसे उदाहरण हमारे आसपास बिखरे पड़े होंगे, जिनमें कोई व्यक्ति मित्रता के नाम पर महज काम का संबंध निभाता है और मित्र की जरूरत के वक्त किसी भी तरह की जिम्मेदारी निभाने से मुकर जाता है। भावनाओं से रिक्त संबंधों को जान-पहचान के तौर पर भले देखा जाए, उसे मित्रता नहीं कहा जा सकता।

सार-समाचार

इजरायल पीएम नेतन्याहू की हत्या की साजिश नाकाम

तेल अवीव (एजेंसी)। इजरायल ने दावा किया है कि उसने ईरान की बड़ी साजिश को विफल किया है। इजरायल की आतंरिक सुरक्षा के लिए जिम्मेदार एजेंसी शिन बेट ने कहा है कि उसने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, रक्षा मंत्री योव गैलेंट और शिन बेट डायरेक्टर रोनेन बार की हत्या की ईरान की साजिश को नाकाम किया है। शिन बेट ने गुरुवार को ये दावा किया है। इस साजिश में ईरान एक इजरायली व्यवसायी का इस्तेमाल कर रहा था, जिसने तुर्की में काफी समय बिताया था। वह इजराय में हत्या की योजना बनाने के लिए तुर्की और ईरानी दोनों व्यक्तियों के साथ बैठकें और लेनदेन कर रहा था। यरुशलम पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, इस प्लान को पूरा करने लिए इस वर्ष अप्रैल में तुर्की के नागरिक आंद्रेः फारुक असलान और गुनीद असलान ने इजरायली व्यवसायी से संपर्क किया और उसे

हम बातचीत से संतुष्ट नहीं, जारी रखेंगे हड़ताल

- कोलकाता रेप-मर्डर केस में डॉक्टरों का हड़ताल खत्म करने से इनकार

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर केस को लेकर प्रदर्शन कर रहे जूनियर डॉक्टरों और बंगाल सरकार के बीच बुधवार को दूसरे दौर की बातचीत हुई। डॉक्टरों ने अपनी मांगों को लेकर बंगाल के चीफ सेक्रेटरी मनोज पंत के साथ ढाई घंटे बैठक की, लेकिन इसका कोई नतीजा नहीं निकला। डॉक्टरों ने कहा कि वे सरकार से हुई

बातचीत से असंतुष्ट हैं और अपनी हड़ताल जारी रखेंगे। डॉक्टरों ने यह आरोप लगाया कि बैठक में डॉक्टरों राज्य सरकार ने बैठक की लिखित कार्यवाही (मिनट्स ऑफ मीटिंग) मांगे थे, जिसे देने से सरकार ने इनकार कर दिया। इस बीच सीबीआई ने गुरुवार को कलकत्ता मेडिकल कॉलेज के सुपरिनटैंडैंट अंजन अधिकारी से पूछताछ की। उन्हें टीएमसी विधायक और पश्चिम बंगाल मेडिकल काउंसिल के अध्यक्ष सुदीप्त रॉय के बारे में जानकारी देने के लिए बुलाया गया था। उधर घटना के विरोध में सांसद जवाहर सरकार ने इस्तीफा दे दिया है।

जम्मू-कश्मीर को दोबारा राज्य का दर्जा दिलाएंगे

- श्रीनगर की चुनावी रैली में प्रधानमंत्री मोदी ने घाटी की जनता से किया बड़ा वादा
- कहा-फर्स्ट फेज की वोटिंग में इतिहास रचा, 25 सितंबर को सारे रिकॉर्ड टूटने चाहिए

श्रीनगर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में कहा, हमने देश की संसद में कहा है कि जम्मू-कश्मीर को दोबारा राज्य का दर्जा दिलाएंगे। भाजपा ही इसे पूरा करेगी। इसलिए मेरी आपसे अपील है कि 25 सितंबर को वोटिंग के सारे रिकॉर्ड टूटने चाहिए।

इसके पहले उन्होंने नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी और कांग्रेस को लेकर कहा, इन तीन खानदानों ने अपनी सियासी दुकान चलाने के लिए दशकों तक घाटी में नफरत का सामान बेचा है। इनके कारण ही यहां के युवा तरक्की नहीं कर पाए। पिछले 6 दिन में राज्य में पीएम मोदी का यह दूसरा कश्मीर दौरा है। इससे पहले वे 14 सितंबर को डोडा पहुंचे थे। चुनाव में पहले फेज में इतनी बड़ी तादाद में वोटिंग हुई। ये खुशी की बात है कि दहशतगर्दी खत्म हुई और चुनाव के लिए लोग इतनी बड़ी तादाद में घर से बाहर निकले। ये नया इतिहास बना है। आपने ये इतिहास रचा है।

दुनिया देख रही है कि कैसे जम्मू-कश्मीर के लोग भारत के लोकतंत्र को मजबूत कर रहे हैं। दिल्ली से लेकर जम्मू-कश्मीर तक ये लोग बौखलाए हुए हैं। इन्हें लगता है, जैसे-तैसे कुर्सी पर कब्जा जमाना और फिर आपको लूटना, ये इनका पैदायशी हक है।

जम्मू-कश्मीर की आवाम को उनके जायज हक से महरूम रखना ही इनका सियासी एजेंडा रहा है। इन्होंने सिर्फ डर और अराजकता ही दी है।

इसरो की धमाकेदार तैयारियों को मोदी सरकार की मंजूरी

- चांद से मिट्टी लाने से लेकर अंतरिक्ष में भारतीयों की छलांग तक के मिशन शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में केंद्र सरकार की कैबिनेट ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के चार बड़े अंतरिक्ष अभियानों को मंजूरी दे दी है। ये मिशन कुल मिलाकर 31,772 करोड़ रुपये के हैं और 2040 तक भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम का खाका तैयार करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में हुई कैबिनेट बैठक में चंद्रयान-4, शुक्र ग्रह पर मिशन, गगनयान मिशन का विस्तार, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन और नए रॉकेट सूर्य की मंजूरी दी गई है। कैबिनेट की ये मंजूरी मोदी सरकार 3.0 के 100 दिन के भीतर ही आई है। इसरो के चेयरमैन डॉ. एस सोमनाथ ने बातचीत में कहा, भारत के महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष रोडमैप को अब पंख मिल गए हैं। उन्होंने कहा कि इन चार अहम मंजूरियों के बाद भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम और तेजा से आगे बढ़ने के लिए तैयार हो गया है। **चांद से नमूने वापस लाएगा चंद्रयान-4-** चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के बाद चंद्रयान-4 मिशन का मुख्य उद्देश्य चांद की सतह से नमूने इकट्ठा कर उन्हें धरती पर वापस लाना है। यह मिशन भारत को भविष्य में चांद पर मानव भेजने और सुरक्षित वापसी के लिए जरूरी तकनीक को विकसित करने में मदद करेगा। इसमें लैंडिंग, डॉकिंग/अनडॉकिंग जैसी तकनीकें शामिल हैं।

नवादा कांड में आरोपियों के नाम की हुई पहचान

- आरोपी नंदू पासवान समेत 15 आरोपी हुए गिरफ्तार
- गिरफ्तार आरोपियों में एक रिटायर हवलदार भी शामिल

नवादा (एजेंसी)। बिहार के नवादा जिले में भूमि विवाद को लेकर कई मकानों को आग लगाने से संबंधित मामले में पुलिस ने अबतक 15 लोगों को गिरफ्तार किया है। नवादा के जिलाधिकारी (डीएम) आशुतोष कुमार वर्मा ने मुफस्सिल थाना अंतर्गत मांझी टोला में बुधवार शाम को हुई इस घटना के बारे में कहा, जिला पुलिस ने घटना के सिलसिले में अब तक 15 लोगों को गिरफ्तार किया है और अन्य लोगों की तलाश जारी है। मामले की जांच के लिए पुलिस ने एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। डीएम ने कहा कि प्रारंभिक जांच में पता चलता है कि मांझी टोला में कल रात लोगों के एक समूह ने कुल 21 मकानों में को कथित तौर

पर आग लगा दी। डीएम आशुतोष कुमार वर्मा ने कहा कि वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर मौजूद हैं और वे जल्द ही एक रिपोर्ट प्रस्तुत करके यह बताएंगे कि कितने मकान क्षतिग्रस्त हुए या जल गए और सभी आरोपियों को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा।

यादवों ने लगाई बस्ती में आगः मांझी

वहीं केंद्रीय मंत्री और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के संस्थापक जीतन राम मांझी ने इस घटना के लिए यादव समुदाय को जिम्मेदार ठहराते हुए दावा किया कि इस मामले में गिरफ्तार किए गए लोगों में 12 यादव समुदाय से हैं। मांझी ने बृहस्पतिवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान यादव समुदाय के लोगों पर प्रदेश में दलितों की जमीन पर जबरन कब्जा करने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि इस समुदाय ने उस स्थान पर रह रहे पासवान समुदाय के लोगों को उकसा कर इस घटना को अंजाम दिया है।

'हर अग्निवीर को नौकरी व छात्राओं को मिलेगी स्कूटी

हरियाणा के संकल्प पत्र में बीजेपी ने किए बड़े वादे

25 लाख तक लोन देने की तैयारी, 20 सूत्रीय संकल्प

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी ने अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। पार्टी ने इसे संकल्प पत्र नाम दिया है। संकल्प पत्र में बीजेपी ने हरियाणा की जनता से 20 वादे किए हैं। जिसमें हर अग्निवीर को परमानेंट जॉब, महिलाओं को 2100 रुपये महीने समेत कई वादे शामिल हैं। रोहतक में घोषणा पत्र जारी करते समय बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी मौजूद रहे। इस दौरान राज्य के सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह घोषणापत्र चुनावी नहीं है। संकल्प पत्र जारी करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस के घोषणापत्र को छलावा बताया। जेपी नड्डा ने कहा कि हम तो हरियाणा की सेवा नॉन स्टॉप कर रहे हैं और इसे नॉन स्टॉप करने में आपको बहुत बड़ी जिम्मेदारी निभानी है। हमने जो कहा था वो किया है, जो नहीं कहा था वो भी किया है और जो कहेंगे वो भी करेंगे। नड्डा ने कहा कि हम लोगों ने तय किया है कि सभी महिलाओं को 'लाडो लक्ष्मी योजना' के तहत प्रतिमाह 2,100 वित्तिय सहायता प्रदान की जाएगी।

21 सितंबर से अमेरिका के दौरे पर रहेंगे पीएम मोदी

बाइडन से होगी मुलाकात, यूएन महासभा में संबोधन भी

चौथे क्वाड नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे पीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री 2 दिन बाद यानी 21 सितंबर से अमेरिका के दौरे पर रहेंगे। यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री विलमिंगटन, डेलावेयर में चौथे क्वाड नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे, जिसकी मेजबानी संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन करेंगे। मोदी के अमेरिकी दौरे पर भारत के विदेश मंत्रालय ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने बताया कि यह राष्ट्रपति बाइडन और जापान के प्रधानमंत्री किशिदा के लिए यह एक तरह का विदाई कार्यक्रम जैसा होगा। बता दें कि इस दौरान संयुक्त राष्ट्र महासभा में पीएम मोदी की स्पीच होगी। विदेश मंत्रालय ने बताया कि प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच एक सार्थक जुड़ाव का अवसर होगा जहां उन्हें भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा करने का अवसर मिलेगा। इस वर्ष क्वाड शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने के अमेरिकी पक्ष के अनुरोध के बाद, भारत ने 2025 में अगला क्वाड शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने पर सहमति दी है। भारतीय विदेश सचिव दीपक मिसरी ने इस बात की पुष्टि नहीं की कि पीएम मोदी अपनी अमेरिका

यात्रा के दौरान राष्ट्रपति उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करेंगे या नहीं। उन्होंने कहा कि विभिन्न बैठकें (द्विपक्षीय, अमेरिकी राजनीतिक परिदृश्य में उन लोगों के साथ) अभी भी काम किया जा रहा है।

भारतीय समुदाय के लोगों से भी करेंगे बात

न्यूयॉर्क में रहते हुए, प्रधानमंत्री 22 सितंबर को भारतीय समुदाय के एक समूह को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री अमेरिका स्थित प्रमुख कंपनियों के सीईओ के साथ बातचीत भी करेंगे ताकि एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर और जैव प्रौद्योगिकी के अत्याधुनिक क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच अधिक सहयोग बढ़ाया जा सके। प्रधानमंत्री के विचारकों और भारत-अमेरिका द्विपक्षीय परिदृश्य में सक्रिय अन्य हितधारकों के साथ बातचीत करने की भी उम्मीद है।

देश विरोधी ताकतों के साथ खड़े रहे हैं राहुल गांधी

- अमित शाह ने कांग्रेस पर पाकिस्तान की भाषा बोलने का लगाया आरोप
- शाह ने कहा-आर्टिकल 370 पर कांग्रेस और पाकिस्तान के सुर एक हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका दौरे पर राहुल गांधी की इल्हान उमर जैसी कट्टर भारत-विरोधी लोगों से मुलाकात और उनके दिए बयानों पर बीजेपी पहले से हमलावर है। इस बीच पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के एक बयान ने बीजेपी को राहुल गांधी पर हमले का एक और मौका दे दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आरोप लगाया है कि राहुल गांधी भारत विरोधी ताकतों के साथ खड़े

रहे हैं। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री के बयान ने एक बार फिर कांग्रेस का पर्दाफाश कर दिया है। शाह ने एक्स पर पोस्ट किया, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री का आर्टिकल 370 और 35 ए पर कांग्रेस और एनसी के समर्थन की बात ने एक बार फिर कांग्रेस को एक्सपोज कर दिया है। इस बयान ने पुनः यह स्पष्ट कर दिया है कि कांग्रेस और पाकिस्तान के इरादे भी एक हैं और एजेंडा भी। पिछले कुछ वर्षों से राहुल गांधी देशवासियों की भावनाओं को आहत करते हुए हर एक भारत विरोधी ताकतों के साथ खड़े रहे हैं। उन्होंने आगे लिखा है, एयर स्ट्राइक का सबूत मांगना यह साबित करता है।

मिसाइल, तोप, लड़ाकू विमान सब भूल जाइए

- युद्ध की नई तकनीक से हिली दुनिया, अब एआई वॉर की तैयारी
- लेबनान में इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स के इस्तेमाल से डर गई है दुनिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। न कोई सैनिक, न ही कोई मिसाइल और न ही किसी बाहरी चीज से हमला... कुछ ऐसा ही हुआ है लेबनान में हिजबुल्लाह के लड़ाकों के साथ। लेबनान में पेजर में हुए धमाकों के एक दिन बाद बुधवार को भी देश के कई हिस्सों में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में विस्फोट की घटनाएं हुईं जिनमें 14 लोगों की मौत हो गई और करीब 450 अन्य घायल हो गए। कभी पेजर तो कभी वॉकी-टॉकी में विस्फोट। ये इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स किसी और के नहीं थे जिसके थे उसी पर हमला। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के दौर में

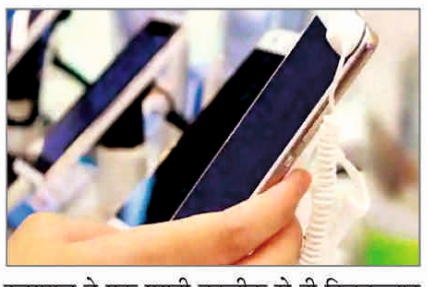

इजरायल ने एक पुरानी तकनीक से ही हिजबुल्लाह को हैरान और परेशान कर दिया। एआई के इस दौर में सब कुछ संभव है।

एआई के इस्तेमाल से बढ़ जाएगी शक्ति

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस मशीनों को इंसानों की तरह सोचने और सीखने की क्षमता प्रदान करती है। एआई का उपयोग अब युद्ध में कई तरह से किया जा रहा है, जैसे कि ड्रोन, साइबर युद्ध, लॉजिस्टिक्स और युद्ध सिमुलेशन। ये हथियार बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के अपने टारगेट को पहचान उन पर हमला कर सकते हैं। एआई से लैस ड्रोन अब युद्ध के मैदान में निगरानी, हमला और तलाशी जैसे कई काम कर सकते हैं। एआई युद्ध के कुछ फायदे भी हैं और कुछ नुकसान भी।

हर फील्ड में बढ़ता जा रहा है दखल

लेबनान में हुए हमलों का आरोप इजरायल पर है। ये अटैक उस ओर इशारा करते हैं कि एआई के दौर में यह और कितना खतरनाक हो सकता है। ऐसे अटैक हो सकते हैं जिनकी कल्पना भी जल्द नहीं की जा सकती। इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स को छूने से भी इस वक्त लेबनान में लोग डर रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का दखल हर फील्ड में बढ़ता जा रहा है। जरूरी नहीं कि किसी देश पर हमला करने के लिए मिसाइल या तोप का इस्तेमाल हो। मानव इतिहास में युद्ध का एक अंधकारमय अध्याय है।

अपने ही अधिकारियों पर ऐक्शन लेने की तैयारी में मोदी सरकार

- स्पेशल फाउंडेशन कोर्स पूरा नहीं करने वाले 203 आईपीएस को मिली चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र ने राज्यों को उन 203 आईपीएस अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है जिन्होंने स्पेशल फाउंडेशन कोर्स पूरा नहीं किया है। हैदराबाद के तेलंगाना के डॉ एमसीआर एचआरडी संस्थान में स्पेशल फाउंडेशन कोर्स में भाग नहीं लेने पर इनके खिलाफ एक्शन की तैयारी चल रही है। सेक्रेटरी डीके घोष ने राज्यों को चिट्ठी लिख कर यह कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। गौरतलब है कि पिछले बैचों के 203 आईपीएस अधिकारियों को शामिल करने के बाद ऐसे कुल 443 अधिकारी हैं। आंकड़ों के मुताबिक आईपीएस अधिकारियों में 2020 और पहले के बैचों के लगभग 93 अन्य सेवाओं के अधिकारी भी हैं और 2021, 2022, 2023 और 2024 बैचों के 350 अधिकारी हैं।

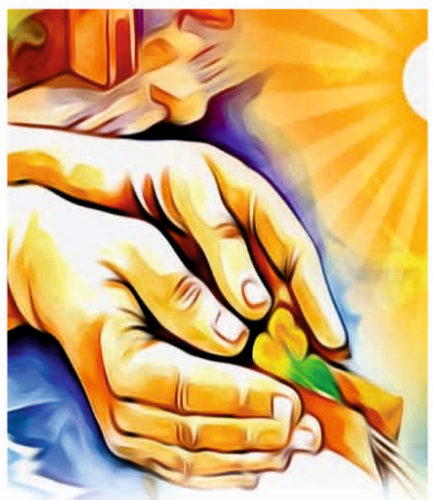

पितरों की आत्मा की शांति के लिए करें मात्र एक ही उपाय

आश्विन माह के प्रथम दिवस 17 सितंबर से श्राद्धपक्ष प्रारंभ हो गए जिन्हें 16 श्राद्ध कहा जाता है। इस दिन पितरों की शांति के लिए तर्पण और पिंडदान के अलावा कई तरह के अनुष्ठान किए जाते हैं। आओ जानते हैं कि कौनसा एकमात्र उपाय करने से पितरों को मिलेगी शांति और पितृदोष होगा दूर।

पितृ शांति के लिए उपाय

- नियमित रूप से 16 दिन तक गौ माता को घी मिली आटे की लोइयां बनाकर खिलाएं और उनकी पूजा और सेवा करें। हो सके तो हरा चारा खिलाएं।
- यदि उपरोक्त कार्य नहीं कर सकते हो तो श्राद्ध पक्ष में जब भी मंगलवार आए तो उस दिन हनुमान मंदिर जाकर के बजरंगबली को चोला चढ़ाएं और उनसे पितरों की मुक्ति एवं शांति की कामना करें।
- पंचबली कर्म – इसके अलावा आप चाहें तो पंचबलि कर्म भी कर सकते हो। किस भी श्राद्ध तिथि में पंचबलि कर्म अर्थात गाय, कौवे, कुत्ते, चींटी और देवताओं को अन्न जल अर्पित करना चाहिए। ब्राह्मण भोज कराना चाहिए।

शुभ मुहूर्त

श्राद्धपक्ष में यदि आप पितरों के निमित्त, तर्पण, पिंडदान, पूजा आदि अनुष्ठान कर रहे हैं तो शास्त्रों के अनुसार कुतुप काल मुहूर्त में यह कर्म करें। शास्त्रों के अनुसार कुतुप, रोहिणी, मध्याह्न और अभिजीत काल में श्राद्ध करना चाहिए। यही श्राद्ध करने का सही समय है।

क्या है कुतुप काल

कुतुप काल दिन के 11.30 बजे से 12.30 के मध्य का समय होता है। वैसे कुतुप बेला दिन का आठवां मुहुर्त होता है। पाप का शमन करने के कारण इसे कुतुप कहा गया है।

इन 5 स्थानों पर रखें श्राद्ध का आहार

'श्राद्ध' शब्द 'श्रद्धा' से बना है यानी अपने पूर्वजों के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करना। श्राद्ध न करने वाले दलील देते हैं कि जो मर गया है उसके निमित्त कुछ करने का औचित्य नहीं है। यह ठीक नहीं है, क्योंकि संकल्प से किए गए कर्म जीव चाहे जिस योनि में हो, उस तक पहुंचता है तथा वह तृप्त होता है। यहां तक कि ब्रह्मा से लेकर घास तक तृप्त होते हैं। श्राद्ध करने का अधिकार सर्वप्रथम पुत्र को है तथा क्रमशः पुत्र, पौत्र, प्रपौत्र, दौहित्र, पत्नी, भाई, भतीजा, पिता, माता, पुत्रवधू, बहन, भानजा तथा सगोत्री कहे गए हैं। इनमें ज्यादा या सभी करें तो भी फल प्राप्ति सभी को होती है।

श्राद्ध में ब्राह्मण भोजन तथा पंचबलि कर्म किया जाता है। पंचबलि में गाय, कुत्ता और कौवा के साथ 5 स्थानों पर भोजन रखा जाता है। वे हैं–

प्रथम गौ बलि– घर से पश्चिम दिशा में गाय को महुआ या पलाश के पत्तों पर गाय को भोजन कराया जाता है तथा गाय को 'गौभ्यो नमः' कहकर प्रणाम किया जाता है। गौ देशी होना चाहिए।

द्वितीय श्वान बलि– पत्ते पर भोजन रखकर कुत्ते को भोजन कराया जाता है।

तृतीय काक बलि– कौओं को छत पर या भूमि पर रखकर उनको बुलाया जाता है जिससे वे भोजन करें।

चतुर्थ देवादि बलि– पत्तों पर देवताओं को बलि घर में दी जाती है। बाद में वह उठाकर घर से बाहर रख दी जाती है।

पंचम पिपलिकादि बलि– चींटी, कीड़े-मकौड़ों आदि के लिए जहां उनके बिल हों, वहां चूरा कर भोजन डाला जाता है।

श्राद्ध करने का आदर्श समय : मध्याह्न 1130 से 1230 तक है जिसे 'कुतप बेला' कहा जाता है। इसका बड़ा महत्व है।

तरक्की में बाधा बन सकता है पितृ दोष

जान लें मुक्ति के उपाय

सनातन धर्म की मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष एक महत्वपूर्ण अवधि मानी जाती है। पितरों के प्रसन्न होने पर जीवन में सुख-समृद्धि आती है लेकिन इसके विपरीत पितरों के नाराज होने पर व्यक्ति को कई तरह की समस्याएं घेर लेती हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं कि पितृ दोष होने पर व्यक्ति को क्या संकेत मिलते हैं और इससे किस प्रकार मुक्ति पाई जा सकती है।

भाद्रपद शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा से पितृपक्ष की शुरुआत मानी जाती है, वहीं इसका समापन आश्विन माह की अमावस्या तिथि पर होता है। ऐसे में इस साल पितृपक्ष की शुरुआत 17 सितंबर 2024 से हो चुकी है, जिसका समापन बुधवार, 02 अक्टूबर को होगा। वहीं पितृ पक्ष की समाप्ति पर यानी 02 अक्टूबर को सूर्य ग्रहण लगने जा रहा है।

मिलते हैं ये संकेत

यदि आपके घर में पितृ दोष लग गया है तो व्यक्ति को कड़ी मेहनत के बाद भी सफलता हाथ नहीं लगती। पितृ दोष होने के कारण व्यक्ति की तरक्की भी रुक जाती है। साथ ही कारोबार में भी नुकसान होने लगता है। इतना ही नहीं एक के बाद एक दुर्घटनाएं होने लगती हैं। यह सभी संकेत पितृ दोष होने की तरफ इशारा करते हैं।

ऐसे पाएं मुक्ति

पितृदोष से मुक्ति के लिए पितृपक्ष की अवधि को सबसे उत्तम माना गया है। ऐसे में आपको पितृ दोष से मुक्ति के लिए पितृ पक्ष में उनका तर्पण, पिंडदान, और श्राद्ध कर्म जरूर करने चाहिए। इसके साथ ही पितरों के निमित्त भोजन और जल निकालें व पितरों का आह्वान कर, उन्हें ये सभी सामग्री अर्पित कर दें। इससे पितरों की नाराजगी दूर हो सकती है।

पितृ होंगे प्रसन्न

पितृ पक्ष में पीपल के पेड़ की पूजा जरूर करनी चाहिए। मान्यताओं के अनुसार, पीपल के वृक्ष में पितरों का वास होता है। ऐसे में पितृपक्ष के दौरान सूर्योदय से पहले उठकर स्नान आदि से निवृत हो जाएं। इसके बाद पीपल के पेड़ में जल अर्पित करें और सात बार परिक्रमा करें। साथ ही वृक्ष के नीचे काले तिल डालकर सरसों के तेल का दीपक जलाएं और पितरों का स्मरण करें। इस उपाय से पितृ प्रसन्न होते हैं।

इस दिशा में जलाएं दीपक

पितृपक्ष के दौरान आपको पितरों के नाम का दीया जरूर जलाना चाहिए। पौराणिक मान्यता के अनुसार, दक्षिण दिशा पितरों की दिशा मानी जाती है। ऐसे में पितृपक्ष में रोजाना इस दिशा में पितरों के नाम का दीपक जरूर जलाएं। साथ ही पितृ दोष से मुक्ति के लिए जल में काले तिल डालकर दक्षिण दिशा की ओर अर्घ्य देना चाहिए।

16 दिनों में न भूलें ये बातें पितरों का करें सम्मान

श्राद्ध पक्ष में पितरों के निमित्त घर में क्या कर्म करना चाहिए। यह जिज्ञासा सहजतावश अनेक व्यक्तियों में रहती है। यदि हम किसी भी तीर्थ स्थान, किसी भी पवित्र नदी, किसी भी पवित्र संगम पर नहीं जा पा रहे हैं तो निम्नांकित सरल एवं संक्षिप्त कर्म घर पर ही अवश्य कर लें :

- प्रतिदिन खीर (अर्थात दूध में पकाए हुए चावल में शक्कर एवं सुगंधित द्रव्य जैसे इलायची, केसर मिलाकर तैयार की गई सामग्री को खीर कहते हैं) बनाकर तैयार कर लें।
- गाय के गोबर के कंडे को जलाकर पूर्ण प्रज्वलित कर लें।
- उक्त प्रज्वलित कंडे को शुद्ध स्थान में किसी बर्तन में रखकर, खीर से तीन आहुति दे दें।
- इसके नजदीक (पास में ही) जल का भरा हुआ एक गिलास रख दें अथवा लोटा रख दें।
- इस द्रव्य को अगले दिन किसी वृक्ष की जड़ में डाल दें।
- भोजन में से सर्वप्रथम गाय, काले कुत्ते और कौए के लिए ग्रास अलग से निकालकर उन्हें खिला दें। इसके पश्चात ब्राह्मण को भोजन कराएं फिर स्वयं भोजन ग्रहण करें। पश्चात ब्राह्मणों को यथायोग्य दक्षिणा दें।

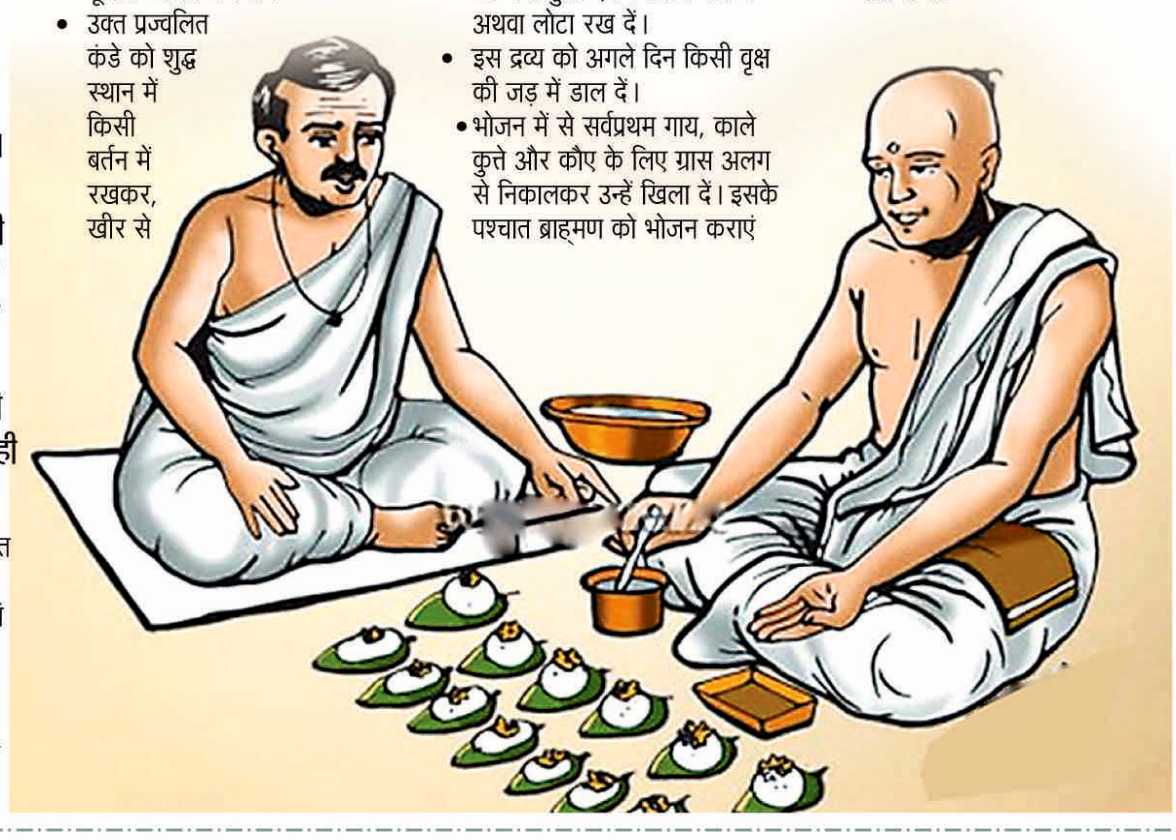

क्या हैं श्राद्धकर्ता व श्राद्धभोक्ता के लिए शास्त्र के निर्देश

श्राद्ध पक्ष में सभी सनातनधर्मी अपने पितरों के निमित्त श्राद्धकर्म करते हैं। सनातन धर्म के सभी अनुयायियों को अपने पितरों के निमित्त श्राद्ध अवश्य करना चाहिए। श्राद्ध के दो मुख्य अंग हैं– 1. पिण्डान 2. ब्राह्मण भोजन। हमारे शास्त्रों में श्राद्ध करने वाले (श्राद्धकर्ता) और श्राद्ध में भोजन करने वाले ब्राह्मण (श्राद्धभोक्ता) के लिए कुछ नियम निर्धारित किए हैं। आइए जानते हैं क्या हैं वे नियम–

श्राद्धकर्ता के लिए नियम

शास्त्रानुसार श्राद्धकर्ता को श्राद्ध वाले दिन निम्न नियमों का पालन आवश्यक रूप से करना ही चाहिए–

- पूर्णरूपेण सात्विक मनोदशा रखें।
- पान इत्यादि भक्षण ना करें।
- तेल मालिश, दाढ़ी, केशकर्तन इत्यादि ना कराए।
- स्त्री के साथ सहवास ना करें।
- किसी दूसरे के घर अथवा बाहर भोजन ना करें।

श्राद्धभोक्ता के लिए नियम

शास्त्रानुसार श्राद्धभोक्ता को श्राद्ध वाले दिन निम्न नियमों का पालन आवश्यक रूप से करना ही चाहिए–

- श्राद्धभोज करने के उपरांत उसी दिन दूसरे घर में दोबारा श्राद्धभोजन ना करें।
- लम्बी यात्रा ना करें।
- श्राद्धभोज वाले दिन दान ना दें।
- स्त्री के साथ सहवास ना करें।
- भोजन करते समय मौन रहकर भोजन करें।

श्राद्ध किस जगह करें और किस जगह नहीं करें

भाद्रपद की पूर्णिमा से अश्विन माह की अमावस्य तक श्राद्ध पक्ष चलता है जिसे पितृपक्ष भी कहते हैं। यदि आप इस दौरान अपने पितरों का श्राद्ध, तर्पण या पिंडदान करने जा रहे हैं तो यह भी जान लें कि शास्त्रों के अनुसार किस जगह श्राद्ध करना चाहिए और किस जगह पर नहीं। यदि अनुचित जगह पर श्राद्ध किया तो उसका फल नहीं मिलता है।

पितृपक्ष में कहां श्राद्ध करना चाहिए?

- **घर पर** : श्राद्ध आप अपने घर में भी कर सकते हैं। दक्षिण में मुख करके श्राद्ध किया जाता है।
- **तट पर** : किसी पवित्र नदी, नदी संगम, समुद्र में गिरने वाली नदियों के तट पर उचित समय में विधि-विधान से श्राद्ध किया जा सकता है।
- **बरगद के नीचे** : पवित्र वट-वृक्ष के नीचे भी श्राद्ध कर्म किया जा सकता है।
- **तीर्थ क्षेत्र** : शास्त्रों में उल्लेखित किसी तीर्थ क्षेत्र में भी श्राद्ध किया जा सकता है।
- **समुद्र तट पर** : समुद्र के तट पर भी श्राद्ध किया जा सकता है।
- **गोशाला** : जहां बैल न हों ऐसी गौशाला में भी उचित स्थान को गोबर से लिपकर शुद्ध करके श्राद्ध किया जा सकता है।
- **पर्वत पर** : पवित्र पर्वत शिखर पर भी श्राद्ध किया जा सकता है।
- **जंगल में** : वनों में उचित स्थान, स्वच्छ और मनोहर भूमि पर भी विधिपूर्वक श्राद्ध किया जा सकता है।

पितृपक्ष में कहां पर श्राद्ध नहीं करना चाहिए?

- **दूसरों की भूमि पर** : किसी की पर्सनल भूमि पर श्राद्ध नहीं करते हैं। भूमि सार्वजनिक होना चाहिए। अगर दूसरे के गृह या भूमि पर श्राद्ध करना पड़े तो किराया या दक्षिणा भूस्वामी को दे देना चाहिए।
- **अपवित्र भूमि** : किसी भी प्रकार से अपवित्र हो रही भूमि पर भी श्राद्ध नहीं करते हैं।
- **शमशान में** : किसी ऐसे शमशान में श्राद्ध नहीं कर सकते हैं जिसे तीर्थ नहीं माना जाता।
- **देव स्थान पर** : किसी मंदिर के अंदर या देवस्थान पर भी श्राद्ध कर्म नहीं करना चाहिए। इसके लिए पंडित से सलाह लें।

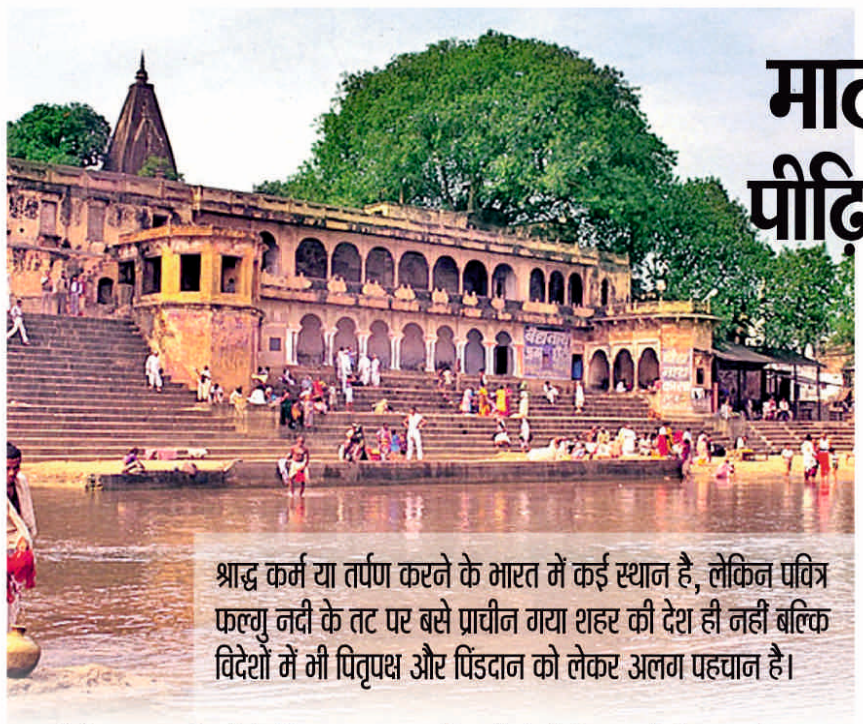

श्राद्ध कर्म या तर्पण करने के भारत में कई स्थान है, लेकिन पवित्र फल्गु नदी के तट पर बसे प्राचीन गया शहर की देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी पितृपक्ष और पिंडदान को लेकर अलग पहचान है।

माता-पिता समेत सात पीढ़ियों का उद्धार करता है गयाजी में पिंडदान

पुराणों के अनुसार पितरों के लिए खास आश्विन माह के कृष्ण पक्ष या पितृपक्ष में मोक्षधाम गयाजी आकर पिंडदान एवं तर्पण करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है और माता-पिता समेत सात पीढ़ियों का उद्धार होता है।

पितृ की श्रेणी में मृत पूर्वजों, माता, पिता, दादा, दादी, नाना, नानीसहित सभी पूर्वज शामिल होते हैं। व्यापक दृष्टि से मृत गुरू और आचार्य भी पितृ की श्रेणी में आते हैं। कहा जाता है कि गया में पहले विभिन्न नामों के 360 वेदियां थीं जहां पिंडदान किया जाता था। इनमें से अब 48 ही बची है। यहां की वेदियों में विष्णुपद मंदिर, फल्गु नदी के किनारे और अक्षयवट पर पिंडदान करना जरूरी माना जाता है। इसके अतिरिक्त वैतरणी, प्रेतशिला, सीताकुंड, नागकुंड, पांडुशिला, रामशिला, मंगलागौरी, कागबलि आदि भी पिंडदान के लिए प्रमुख है। यही कारण है कि देश में श्राद्ध के लिए 55 स्थानों को महत्वपूर्ण माना गया है जिसमें बिहार के गया का स्थान सर्वोपरि है। आओ जानते हैं इसके 5 कारण।

- गयासुर नामक असुर ने कठिन तपस्या कर ब्रह्माजी से वरदान मांगा था कि उसका शरीर देवताओं की तरह पवित्र हो जाए और लोग उसके दर्शन मात्र से पापमुक्त हो जाएं। इस वरदान के चलते लोग भयमुक्त होकर पाप करने लगे और गयासुर के दर्शन करके फिर से पापमुक्त हो जाते थे। इससे बचने के लिए यज्ञ करने के लिए देवताओं ने गयासुर से पवित्र स्थान की मांग की। गयासुर ने अपना शरीर देवताओं को यज्ञ के लिए दे दिया। जब गयासुर लेटा तो उसका शरीर पांच कोस में फैल गया। यही पांच कोस जगह आगे चलकर गया बना।
- देह दान देने के बाद गयासुर के मन से लोगों को पाप मुक्त करने की इच्छा नहीं गई और फिर उसने देवताओं से वरदान मांगा कि यह स्थान लोगों को तारने वाला बना रहे। तब से ही यह स्थान मृतकों के लिए श्राद्ध कर्म कर मुक्ति का स्थान बन गया।
- कहते हैं कि गया वह आता है जिसे अपने पितरों को मुक्त करना होता है। लोग यहां अपने पितरों या मृतकों की आत्मा को हमेशा के लिए छोड़कर चले जाता है। मतलब यह कि प्रथा के अनुसार सबसे पहले किसी भी मृतक तो तीसरे वर्ष श्राद्ध में लिया जाता है और फिर बाद में उसे हमेशा के लिए जब गया छोड़ दिया जाता है तो फिर उसके नाम का श्राद्ध नहीं किया जाता है। कहते हैं कि गया में श्राद्ध करने के उपरांत अंतिम श्राद्ध बदरीका क्षेत्र के 'ब्रह्मकपाली' में किया जाता है।
- गया क्षेत्र में भगवान विष्णु पितृदेवता के रूप में विराजमान रहते हैं। भगवान विष्णु मुक्ति देने के लिए 'गदाधर' के रूप में गया में स्थित हैं। गयासुर के विशुद्ध देह में ब्रह्मा, जनार्दन, शिव तथा प्रपितामह स्थित हैं। अतः पिंडदान के लिए गया सबसे उत्तम स्थान है।
- पुराणों अनुसार ब्रह्मज्ञान, गयाश्राद्ध, गोशाला में मृत्यु तथा कुरुक्षेत्र में निवास– ये चारों मुक्ति के साधन हैं– गया में श्राद्ध करने से ब्रह्महत्या, सुरापान, स्वर्ण की चोरी, गुरुपत्नीगमन और उक्त संसर्ग-जनित सभी महापातक नष्ट हो जाते हैं।

विनेश फोगाट का आरोप

पीएम मोदी के दिल में खिलाड़ियों के लिए सच्चा प्यार नहीं है

नईदिल्ली, एजेंसी। विनेश फोगाट पेरिस ओलंपिक में इतिहास रचने के बावजूद पदक जीतने से चूक गईं। वह फाइनल में स्वर्ण पदक की दावेदार मानी जा रहीं थीं, लेकिन प्रतिस्पर्धा वाले दिन उनका वजन 100 ग्राम ज्यादा निकला और वह डिस्क्वालिफाई हो गईं। उनके डिस्क्वालिफाई होने पर देश भर के खेल प्रेमियों ने निराशा जाहिर की। राजनेताओं ने ओलंपिक आयोजन समिति के फैसले पर अपना विरोध जताया।

हालांकि, नतीजा सिफर रहा और विनेश पेरिस से खाली हाथ भारत लौटीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें चैंपियन ऑफ चैंपियन कहा, लेकिन विनेश फोगाट को लगता है कि ऐसा सिर्फ उन्होंने जनता की सहानुभूति लेने के लिए किया। विनेश फोगाट का आरोप है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिल में खिलाड़ियों के प्रति सच्चा प्यार नहीं है। वह सिर्फ अपनी ताकत दिखाने के लिए ऐसा करते हैं। इंटरव्यू में विनेश ने इस मुद्दे पर खुलकर बात की।

● **सवालः** आपने जंतर-मंतर पर अपने विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री की चुप्पी के बारे में बात की है

●विनेश फोगाटः यह बहुत निराशाजनक था। वह एथलीट्स से मिलते रहते हैं और कई अलग-अलग काम करते रहते हैं। अगर वह खेलों के बारे में वाकई सोचते हैं और खिलाड़ियों के लिए उनका सच्चा प्यार है, तो मुझे नहीं लगता कि इतनी बड़ी घटना (विरोध प्रदर्शन) के बाद वह खुद को रोक पाते. जब उन्हें सब कुछ पता होता है, तब भी कुछ नहीं कहनाज यह खिलाड़ियों के लिए सच्चा प्यार नहीं है, वह सिर्फ अपनी ताकत दिखाना चाहते हैं।

● सवालः आपके पदक से चूकने के बाद प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया था कि 'आप चैंपियनों में चैंपियन हैं'

●विनेश फोगाटः उन्होंने कब ट्वीट किया? मेरे फाइनल में पहुंचने के एक पूरे दिन बाद तक कोई ट्वीट नहीं किया। इससे पहले उन्होंने तुरंत सभी एथलीट्स को फोन किया था। वजन मापने का मुद्दा अगले दिन हुआ। फाइनल में पहुंचने के बाद मुझे प्रधानमंत्री का फोन क्यों नहीं आया? कारण स्पष्ट है।

● सवालः खबर है कि हरियाणा सरकार आपको ओलंपिक रजत पदक विजेता जितना इनाम देने को तैयार है.

●विनेश फोगाटः पूरा देश उम्मीद कर रहा था कि मैं स्वर्ण पदक जीतूंगी। अगर सरकार कहती कि हम स्वर्ण पदक विजेता जितना इनाम देंगे तो लगता कि वादा दिल से किया गया है, लेकिन इसमें राजनीति ज्यादा थी कि हम आपको रजत पदक विजेता जितना इनाम देंगे और आपको सम्मानित करेंगे।

देशवासियों के दिल में मेरे प्रति भावनाएं थीं, मैं किसी को भावनाओं के साथ राजनीति नहीं करने दूंगी। पहले सुना कि कोई कार्यक्रम (सम्मान) होगा। मैंने चेक लौटा दिया। फिर उन्होंने कहा कि खाते में आ जाएगा, लेकिन कुछ नहीं आया। यह सिर्फ बातें थीं क्योंकि चुनाव नजदीक थे। मुझे ओलंपिक खेलने के लिए सिर्फ 15 लाख रुपये मिले।

● सवालः क्या आपको लगता है कि अंतरराष्ट्रीय कुश्ती संस्था को दूसरे दिन कम से कम 1 चक्र वजन घटाने की छूट देनी चाहिए?

●विनेश फोगाटः बिल्कुल। मुझे लगता है कि फाइनल में पहुंचने वालों का वजन दोबारा जांचने की भी जरूरत नहीं है। या उन्हें दूसरे दिन वजन मापने में थोड़ी देरी करनी चाहिए ताकि उन्हें अधिक समय मिल सके। इसमें छूट होनी चाहिए, खासकर महिलाओं के लिए क्योंकि उनकी शारीरिक संरचना पुरुषों से अलग होती है।

जब आप अपनी फिटनेस के चरम पर होती हैं तो महिलाएं एक दिन में 3 किलो से अधिक वजन नहीं घटा सकती हैं क्योंकि आपका वसा प्रतिशत पहले से ही बहुत कम होता है। पुरुष पहलवान ऐसा कर सकते हैं लेकिन हम ऐसा नहीं कर सकते क्योंकि हमारे शरीर में पानी जमा रहता है। सभी महिला एथलीट्स दूसरे दिन वजन घटाने को लेकर चिंतित रहती हैं। खेल गांव में अलग-अलग खेलों से कम से कम 50 ऐसे एथलीट थे, जिन्होंने मुझे गले लगाया और कहा कि यह गलत है।

38 साल के अश्विन का चेन्नई में गरजा बल्ला ठोका टेस्ट क्रिकेट का छठा शतक

चैन्नई, एजेंसी। बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में चेन्नई में जहां भारत के दिग्गज खिलाड़ियों जैसे कि रोहित शर्मा, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल ने निराश किया तो वहीं यशस्वी जायसवाल ने 56 रन की पारी खेली। लंबे समय बाद टेस्ट में वापसी करने वाले ऋषभ पंत ने भी अच्छा प्रयास किया और टीम के लिए 39 रन बनाए, लेकिन पहली पारी में 8वें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए रवि अश्विन ने कमाल कर दिया और बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए टेस्ट करियर का छठा शतक लगा दिया।

बांग्लादेश के खिलाफ अश्विन का टेस्ट में पहला शतक

आर अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट में बांग्लादेश के खिलाफ पहली बार शतकीय पारी खेली तो वहीं भारतीय धरती पर टेस्ट क्रिकेट में ये उनका चौथा शतक भी रहा। अश्विन ने इस शतक से पहले टेस्ट क्रिकेट में एक शतक इंग्लैंड के खिलाफ तो वहीं 4 शतक वेस्टइंडीज के खिलाफ लगाए थे।

इस मैच में भारत के 6 विकेट 144 रन के स्कोर पर गिर गए थे और उसके बाद अश्विन ने रविंद्र जडेजा के साथ मिलकर सातवें विकेट के लिए कमाल की साझेदारी की और भारत को मजबूत स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

अश्विन ने खेली तेज पारी, लगाया शतक

आर अश्विन ने इस मैच में 58 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया था और फिर उन्होंने अपना शतक 108 गेंदों पर पूरा किया। इस शतकीय पारी के दौरान उन्होंने 2 छक्के और 10 चौके लगाए।

टेस्ट क्रिकेट में चेन्नई में ये उनके टेस्ट करियर का दूसरा शतक रहा। अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट में 8वें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए चौथी बार शतकीय पारी खेलने का कमाल किया। अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट में पहली पारी में 8वें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए पहली बार शतक लगाने का भी कमाल किया। इस शतकीय पारी के साथ अश्विन ने अपने टेस्ट क्रिकेट करियर के 101वें मैच को यादगार बना दिया। भारत ने पहले दिन का खेल खत्म होने पर 6 विकेट पर 339 रन बनाये। अश्विन नाबाद 102 जडेजा 86 नाबाद रहे।

634 दिन बार टेस्ट में वापसी कर ऋषभ पंत ने टेस्ट में हासिल किया खास मुकाम

चैन्नई, एजेंसी। बांग्लादेश के खिलाफ चेन्नई टेस्ट मैच के जरिए ऋषभ पंत ने क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप में 634 दिन के बाद वापसी की। टेस्ट में वापसी से पहले पंत ने दलीप ट्रॉफी 2024 में भी अपना हाथ आजमाया था और अच्छा प्रदर्शन किया था। पंत को पहले टेस्ट मैच में भारत की प्लेइंग इलेवन में मौका दिया गया और उन्होंने पहली पारी में कठिन परिस्थिति में भारत के लिए संघर्षपूर्ण पारी खेली। हालांकि पंत अपनी इस पारी को बड़े स्कोर में तब्दील नहीं कर पाए, लेकिन प्रभावी साबित हुए। अपनी इस पारी के जरिए पंत ने बतौर भारतीय विकेटकीपर 4000 रन पूरे किए और एमएस धोनी के बाद ऐसा करने वाले दूसरे भारतीय विकेटकीपर बने।

ऋषभ पंत ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में 52 गेंदों पर 6 चौकों की मदद से 39 रन की पारी खेली और बतौर विकेटकीपर उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में 4000 रन पूरे कर लिए। भारत की तरफ से इंटरनेशनल क्रिकेट में 4000 रन पूरे करने वाले पंत दूसरे विकेटकीपर बन गए। पंत का बतौर विकेटकीपर इंटरनेशनल क्रिकेट में अब टोटल स्कोर 4014 रन हो गया। भारत की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में 4000 या उससे ज्यादा रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज एमएस धोनी थे।

मोहन बागान ने ड्रॉ के साथ की एफसी चैंपियंस लीग 2 की शुरुआत, रावशन कुलोब से था मैच

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के कोलकाता का फुटबॉल क्लब मोहन बागान के लिए एफसी चैंपियंस लीग 2 की शुरुआत कुछ खास नहीं रही. भारतीय फुटबॉल क्लब को पहला मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त करना पड़ा. मुकाबले में मोहन बागान के सामने तजाकिस्तान के रावशन कुलोब की चुनौती थी. दोनों के बीच यह मुकाबला बुधवार (18 सितंबर) को खेला गया.

दोनों टीमों ने गंवाए मौके

मुकाबले में मोहन बागान की तरफ से कई मौके मिस किए गए. पहला मौका 19वें मिनट पर मिला. हालांकि इस मौके को भुनाया नहीं जा सका. फिर 27वें मिनट पर रावशन कुलोब को लगभग गोल करने का मौका मिल ही गया था, लेकिन बागान के गोलकीपर विशाल कैथ ने उसे सेव कर लिया. इसके अलावा भी रावशन कुलोब की तरफ से कुछ अटैक किए गए, लेकिन मोहन बागान के सामने वो विफल रहे.

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मोहन बागान और रावशन कुलोब के बीच खेले गए मुकाबले को देखने के लिए करीब 18 हजार लोग पहुंचे थे.

ग्रुप ए में मौजूद है मोहन बागान

बता दें कि मोहन बागान एफसी चैंपियंस लीग 2 के ग्रुप ए में मौजूद है. 4 टीमों वाले ग्रुप में मोहन बागान पहले ड्रॉ के साथ तीसरे पायदान पर है, जबकि तजाकिस्तान की रावशन कुलोब दूसरे नंबर पर है. वहीं 1 में 1 जीत के साथ ईरान का ट्रैक्टर एस सी क्लब पहले नंबर पर है. एक जीत के साथ ट्रैक्टर एस सी के पास 3 प्वाइंट्स मौजूद हैं. वहीं मोहन बागान और रावशन कुलोब के पास ड्रॉ के बाद 1-1 प्वाइंट मौजूद है. ग्रुप में कतर का अल-वकरा क्लब एससी बिना किसी जीत के सबसे नीचे यानी चौथे पायदान पर है.

ईरान के ट्रैक्टर एस सी से होगी अगली भिड़ंत

गौरतलब है कि पहला मैच ड्रॉ पर खत्म करने वाले मोहन बागान की अगली भिड़ंत ईरान के ट्रैक्टर एस सी से होगी. दोनों के बीच यह मुकाबला 02 अक्टूबर, बुधवार को खेला जाएगा. टूर्नामेंट में आगे बढ़ने के लिए मोहन बागान के लिए यह मैच जीतना बहुत जरूर होगा.

शतरंज ओलंपियाड

गुकेश की जीत से भारत ने चीन को हराया

बुडापेस्ट (हंगरी), एजेंसी। विश्व शतरंज चैंपियनशिप फाइनल चैलेंजर डोमराजू गुकेश ने समय के दबाव में शानदार प्रदर्शन किया और बुधवार को यहां 45वें शतरंज ओलंपियाड के ओपन सेक्शन के सातवें दौर में भारत ने तीसरी वरीयता प्राप्त चीन को हराकर एकमात्र जीत दर्ज की। भारत ने महिला वर्ग में भी अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा, जिसमें वैशाली रमेशबाबू और वंतिका अग्रवाल ने काले मोहरों से जीत हासिल कर टीम को जॉर्जिया की मजबूत टीम को 3-1 से हराने में मदद की।

जॉर्जिया 2008 में शतरंज ओलंपियाड का पूर्व विजेता है। भारतीय पुरुष और महिला दोनों टीमों ने अपना अजेय क्रम बरकरार रखा, जिससे उनके अंकों की संख्या 14 हो गई और वे सात राउंड के बाद स्टैंडिंग में एकमात्र लीडर बने रहे। ओपन सेक्शन में, उज्बेकिस्तान, ईरान और हंगरी ने अपने-अपने मैच जीतकर फिर से प्रतिस्पर्धा में वापसी की।

ईरान ने वियतनाम को हराया, जिसने पिछले राउंड में चीन को 2.5-1.5 से हराया था, हंगरी ने लिथुआनिया को इसी अंतर से हराया जबकि उज्बेकिस्तान ने यूक्रेन को 3-1 से हराया। हालांकि, एक दिन के आराम के बाद जब खेल फिर से शुरू हुआ, तो सभी की निगाहें भारत और चीन के बीच होने वाले मुकाबले पर टिकी थीं। सिंगापुर में होने वाले मेगा मुकाबले से पहले विश्व चैंपियनशिप के फाइनल के दावेदार डिंग लिरेन और गुकेश के बीच मुकाबला देखने की प्रशंसकों की उम्मीदें पूरी नहीं हुईं।

आंद्रे रसेल ने सबसे ज्यादा मारे छक्के, सीपीएल 2024 में 240 की स्ट्राइक रेट से सिर्फ 15 गेंदों में जिताया...

गयाना, एजेंसी। आंद्रे रसेल का नाम भी सुना होगा और उनके काम के बारे में भी जानते होंगे. बिल्कुल वैसा ही वो सीपीएल 2024 में 18 सितंबर को खेले मुकाबले में करते दिखे हैं. त्रिनिदाद नाइट राइडर्स की ओर से खेलते हुए रसेल ने सिर्फ 15 गेंदों पर मैच जिताने वाली पारी खेली. गयाना अमेजन वॉरियर्स से मिले 149 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रसेल आखिर तक नाबाद रहे. 240 की स्ट्राइक रेट से खेली अपनी इनिंग के बाद वो ना सिर्फ अपनी टीम की ओर से सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज रहे बल्कि सबसे ज्यादा रन भी उन्होंने ही बनाए.

गयाना अमेजन वॉरियर्स से मिले 149 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए त्रिनिदाद नाइट राइडर्स की शुरुआत उतनी अच्छी नहीं रही. उसके टॉप के 5 विकेट सिर्फ 89 रन पर गिर गए. लेकिन, उसके बाद बल्लेबाजी करने उतरे आंद्रे रसेल ने अपने साथी खिलाड़ी टिम डेविड के साथ मिलकर मैच को पलटने वाली इनिंग खेली.

चीन को हराने के अगले ही दिन हैक हुआ हॉकी इंडिया का अकाउंट

नईदिल्ली, एजेंसी। हॉकी के एशियन चैंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट की मेजबानी इस बार चीन के हाथों में थी. 17 सितंबर को हुए फाइनल में भारतीय हॉकी टीम ने चीन को 1-0 से मात देकर पांचवीं बार खिताब अपने नाम किया था.

इसके अगले ही दिन यानि बुधवार 18 सितंबर की देर रात हॉकी इंडिया 'एक्स' (पहले ट्विटर) का अकाउंट हैक हो गया. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स'पर भारत के हॉकी टीम की जानकारी 'हॉकी इंडिया' के जरिए ही दी जाती हैं. हैकर्स ने रात के करीब 11.30 बजे इस अकाउंट पर क्रिप्टोकरेंसी से जुड़ा एक पोस्ट किया. हालांकि, फिलहाल इसे रिकवर कर लिया गया है और पोस्ट को भी हटा दिया गया है. हॉकी इंडिया के एक्स अकाउंट के जरिए हैकर्स ने क्रिप्टकरेंसी की एक लिंक दी और इसके जरिए प्रोफिट कमाने की कोशिश की. पोस्ट में हैकर्स ने लिखा कि 'यह अकाउंट हो चुका है.

हम जिस भी अकाउंट को हैक करते हैं, उस पर एक टोकन एड्रेस पब्लिश करते हैं और साथ में प्रोफिट कमाते हैं.' भारतीय फैंस ने इस पोस्ट को तुरंत संज्ञान में लिया और जानकारी फैलानी शुरू कर दी. टीम इंडिया चीन में एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के खिताब को अपने नाम करने के बाद से भारत लौट चुकी है.

19 सितंबर की सुबह टीम ने दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंड किया. भारत ने पांचवीं बार ये खिताब अपने नाम किया है. फाइनल में चीन ने भारत को कड़ी टक्कर दी थी. भारतीय टीम को फॉर्म को देखते हुए फैंस को उम्मीद थी कि आसानी से जीत मिल जाएगी.

अफगानिस्तान ने रचा इतिहास

साउथ अफ्रीका को पहला वनडे 6 विकेट से हराया

शारजाह, एजेंसी। अफगानिस्तान ने इतिहास रचते हुए साउथ अफ्रीका को किसी भी फॉर्मेट में पहली बार हरा दिया है। बुधवार को शारजाह के मैदान पर पहले वनडे में टीम ने साउथ अफ्रीका को 106 रन पर ऑलआउट किया। फिर 26 ओवर में 4 विकेट खोकर टारगेट हासिल भी कर लिया।

अफगानिस्तान से तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी ने 4, अल्लाह घजनफर ने 3 और राशिद खान ने 2 विकेट लिए। बैटिंग में गुलबदीन नईब ने 34 और अजमतुल्लाह ओमरजई ने 25 रन बनाकर टीम को आसानी से जीत दिला दी। इसी के साथ अफगानिस्तान से 3 वनडे की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। अफगानिस्तान की ऐतिहासिक जीत

अफगानिस्तान ने साउथ अफ्रीका को तीनों फॉर्मेट में पहली बार ही हराया। इससे पहले दोनों टीमों के बीच 3 टी-20 और 2 वनडे खेले गए थे। सभी में साउथ अफ्रीका को जीत मिली थी।

अफगानिस्तान ने अब इतिहास पलटा और साउथ अफ्रीका को हरा दिया।

टी-20 वर्ल्ड कप की हार का हिसाब बराबर किया दोनों टीमें आखिरी बार इसी साल 26 जून को टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में आमने-सामने हुई थीं। तब साउथ अफ्रीका ने अफगानिस्तान को 56 रन पर ऑलआउट कर दिया था। साउथ अफ्रीका ने फिर 9 ही ओवर में मुकाबला जीत लिया था। अफगानिस्तान ने अब हिसाब बराबर किया और साउथ अफ्रीका को वनडे में 106 रन पर ऑलआउट कर दिया। फिर 26 ही ओवर में मैच भी जीत लिया।

वायन मुल्डर ने लगाई फिफ्टी टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए साउथ अफ्रीका की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने 36 रन के स्कोर पर ही 7 विकेट गंवा दिए। टोनी डी जॉर्जी 11, काइल वेरियन 10 और रीजा हेंड्रिक्स 9 ही रन बना सके। 3 बैटर खाता भी नहीं खोल सके, जबकि कप्तान ऐडन मार्करम 2 ही रन बना पाए। वायन मुल्डर ने फिर फिफ्टी लगाई और टीम को 100 रन के पार पहुंचाया।

उनके साथ बोर्न फोर्च्यून ने 16 रन बनाए। नांद्रे बर्गर ने एक रन बनाया, जबकि लुंगी एनगिडी खाता भी नहीं खोल सके। टीम 33.3 ओवर में 106 रन ही बना सकी। फजलहक फारूकी पावरप्ले में ही 3 विकेट झटक लिए थे। फारूकी को 4 विकेट अफगानिस्तान से तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी ने 35 रन देकर 4 विकेट लिए। ऑफ स्पिनर अल्लाह घजनफर ने महज 20 रन देकर 3 विकेट झटक लिए। जबकि राशिद खान ने 30 रन देकर 2 विकेट लिए। एक बैटर रनआउट भी हुआ।

अफगानिस्तान की भी खराब शुरुआत 107 रन के टारगेट का पीछा करते हुए अफगानिस्तान ने 35 रन पर 3 विकेट गंवा दिए। रियाज हसन 16 और रहमत शाह 8 ही रन बना सके, रहमानुल्लाह गुरबाज तो खाता भी नहीं खोल पाए। टीम का स्कोर 50 रन के पार ही पहुंचा था कि कप्तान हशमतुल्लाह शहीदी भी 16 रन बनाकर आउट हो गए।

आलोचनात्मक सराहनाओं से पेट नहीं भरता

अभिषेक बनर्जी के लिए ये साल काफी शानदार रहा है। उन्होंने इस साल स्त्री 2 और वेदा में अपनी बहुमुखी अभिनय क्षमता का प्रदर्शन करते हुए, काफी सराहनाएं बटोरी हैं। कास्टिंग निर्देशक से अभिनेता बने अभिषेक ने साल 2020 में अनुष्का शर्मा की सीरीज पाताल लोक से चर्चा बटोरी थी। अब स्त्री 2 में वह विक्की के दोस्त जना के रूप में नजर आए हैं। उनका किरदार इस पूरे फ्रेंचाइजी के सबसे मनोरंजक किरदारों में से एक है। उन्हें अपनी भूमिकाओं के लिए आलोचकों से भी काफी सकारात्मक समीक्षा मिली है, जिस पर अब अभिनेता ने अपनी राय जाहिर की हैं। अभिनेता ने कहा कि वह फिल्म समीक्षकों द्वारा मिले सकारात्मक समीक्षाओं से ज्यादा दर्शकों के प्यार को तव्वजो देते हैं। उन्होंने कहा कि इससे कलाकार का पेट नहीं भरता। उनका मानना है कि निर्माता तभी काम देते हैं, जब दर्शकों को उनकी भूमिकाएं मनोरंजक लगती हैं। हाल में ही डीएनए के साथ एक इंटरव्यू के दौरान उनसे सिनेमाघरों में स्त्री 2 की सफलता के बीच दर्शकों के प्यार और आलोचनात्मक प्रशंसा के बीच चुनाव करने के लिए कहा गया। इसके जवाब में अभिषेक ने कहा कि वह दर्शकों के प्यार के भूखे हैं, क्योंकि वह फिल्मों में काम करना जारी रखना चाहते हैं। अभिनेता ने बताया कि आलोचनात्मक प्रशंसा उनके प्रदर्शन के अनुसार होती है और उनके अभिनय कौशल की समीक्षा करना एक व्यक्तिगत राय होती है। स्त्री 2 के अभिनेता ने कहा कि चाहे वह कितना भी अच्छा काम क्यों न कर रहे हों, दर्शकों का एक वर्ग उनके अभिनय से प्रभावित नहीं हुआ है। हालांकि, एक अभिनेता के रूप में, वह उन्हें दर्शकों द्वारा भी स्वीकार किए जाने की चाहत रखते हैं। अभिनेता ने आगे कहा कि एक अभिनेता का करियर तभी आगे बढ़ता है, जब वह जनता के बीच लोकप्रिय होता है। उन्होंने साझा किया कि आलोचक सकारात्मक समीक्षा देते हैं, लेकिन कई बार ऐसा भी हुआ है जब दर्शकों ने उनके काम पर ध्यान नहीं दिया। भेड़िया अभिनेता को लगता है कि जिस दर्शक वर्ग से वह अधिक जुड़ना चाहते हैं, कभी-कभी वह उन्हें देखने के लिए आती ही नहीं है।

प्रियंका चोपड़ा ने शुरू की सिटाडेल 2 की शूटिंग

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने सिटाडेल 2 की शूटिंग शुरू कर दी है। आज बुधवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर उन्होंने आधिकारिक एलान किया है। प्राइम वीडियो की स्पाई एक्शन सीरीज का पहला पार्ट काफी चर्चा में रहा। देसी गर्ल अब दूसरा सीजन लेकर दर्शकों के बीच पहुंचेंगी, जिसके लिए तैयारी शुरू हो चुकी है। प्रियंका चोपड़ा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से इंस्टाग्राम स्टोरी पर यह अपडेट साझा की है। उन्होंने लिखा है, इट्स ऑन! सिटाडेल 2। साथ में उन्होंने रूसो ब्रदर्स को टैग किया है। दूसरे सीजन की स्क्रिप्ट की फोटो शेयर की है। बता दें कि प्रियंका की इस सीरीज के क्रिएटर रूसो ब्रदर्स हैं।

ये सितारे भी आएंगे नजर

बता दें सिटाडेल सीरीज जोश एपेलबाम, ब्रायन ओह और डेविड वील द्वारा निर्मित एक एक्शन-थ्रिलर और सस्पेंस से भरपूर सीरीज है। शो का पहला सीजन 28 अप्रैल, 2023 को रिलीज हुआ था। इस सीजन में रिचर्ड मैडेन और प्रियंका चोपड़ा सिटाडेल एजेंट मेसन केन और नादिया सिंह की भूमिका में नजर आएंगे। प्रियंका के अलावा मुख्य कलाकारों में स्टेनली टुकी और लेस्ली मैनविल भी शामिल हैं।

दूसरे सीजन में जुड़े नए चेहरे

सीटाडेल 2 में इस बार मुख्य कलाकारों के अलावा कई नए चेहरे भी दिखाई देंगे, जिनमें मर्ले डैंड्रिज, राहुल कोहली, माइकल, मैट बेरी और गेब्रियल लियोन शामिल हैं। वहीं सिटाडेल की भारतीय सीरीज सिटाडेल- हनी बनी 7 नवंबर को शुरू होगी। इसके हिंदी रूपांतरण में वरुण धवन और सामंथा रूथ प्रभु मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस सीरीज ने हाल ही में अपना टीजर जारी किया है जिसमें दोनों कलाकार जबर्दस्त और दमदार एक्शन सीन में नजर आ रहे हैं।

रॉम कॉम में खुशी कपूर के साथ नजर आएंगे जुनैद खान

एक बहुप्रतीक्षित घोषणा में, फैंटम स्टूडियो और एजीएस एंटरटेनमेंट ने डिजिटल युग में प्यार के बारे में अपनी आगामी फिल्म का खुलासा किया, जिसमें खुशी कपूर और जुनैद खान मुख्य भूमिकाओं में हैं। अद्वैत चंदन द्वारा निर्देशित, यह बिना शीर्षक वाली रोमांटिक ड्रामा 7 फरवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली है। 17 सितंबर, 2024 को साझा किए गए पोस्टर में लिखा था, फैंटम स्टूडियो और एजीएस एंटरटेनमेंट ने खुशी कपूर और जुनैद खान के साथ प्यार, पसंद और बीच की हर चीज़ के बारे में हमारी फिल्म की सिनेमाघरों में रिलीज़ की घोषणा की है। फिल्म का निर्देशन अद्वैत चंदन करेंगे। यह फिल्म, जो संभवतः आधुनिक रोमांस, सोशल मीडिया और मानवीय संबंधों के बीच के अंतर को दर्शाएगी, कपूर और खान की नई जोड़ी के कारण पहले से ही चर्चा में है, जो दोनों ही प्रभावशाली बॉलीवुड परिवारों से उभरते सितारे हैं। सीक्रेट सुपरस्टार में अपने समीक्षकों द्वारा प्रशंसित काम के लिए जाने जाने वाले चंदन से इस प्रेम कहानी में अपना चतुर स्पर्श लाने की उम्मीद है। हालांकि फिल्म का शीर्षक अभी भी गुप्त रखा गया है, लेकिन प्रशंसक अधिक जानकारी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वैलेंटाइन वीक पर रिलीज होने के साथ, यह फिल्म 2025 की बॉलीवुड लाइनअप में एक प्रमुख फीचर होने की उम्मीद है। खुशी को आखिरी बार जोया अख्तर और रीमा कागती द्वारा निर्देशित द आर्चीज में देखा गया था। जुनैद ने महाराज के साथ अपनी शुरुआत की, जिसमें उन्होंने जयदीप अहलावत, शरवरी और अन्य के साथ अभिनय किया।

खतरों के खिलाड़ी 14 में टिकट टू फिनाले की रेस में कृष्णा श्रॉफ सबसे आगे

कृष्णा श्रॉफ खतरों के खिलाड़ी 14 में सबसे मजबूत कॉंटेस्टेन्ट के रूप में उभर रही हैं क्योंकि शो अपने फिनाले के करीब पहुंच रहा है। दृढ़ संकल्प के साथ, श्रॉफ लगातार स्टंट जीत रही हैं और खुद को टॉप कॉंटेंडर साबित कर रही हैं। इस वीकेंड टिकट टू फिनाले जीतने की रेस के रूप में घोषित किया गया था और हर कॉंटेस्टेन्ट ने टिकट जीतने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। उनमें से, कृष्णा श्रॉफ सबसे अलग रहीं, उन्होंने लगातार स्टंट जीतकर रोहित शेट्टी द्वारा होस्ट किए जाने वाले शो के फिनाले में अपनी जगह पक्की की। शनिवार के एपिसोड में, कृष्णा को साथी कॉंटेस्टेन्ट्स गश्मीर महाजनी और सुमोना चक्रवर्ती के खिलाफ़ एक कठिन अंडरवॉटर चैलेंज का सामना करना पड़ा। इस जीत ने कृष्णा को टिकट टू फिनाले के एक कदम और करीब ला दिया, क्योंकि उन्होंने सीजन के दो सबसे मजबूत कॉंटेस्टेन्ट्स को पीछे छोड़ दिया। शो में अपनी छाप छोड़ने के अलावा, कृष्णा श्रॉफ अपनी एमएमए मैट्रिक्स जिम फ्रैंचाइज़ के साथ बिज़नेस वर्ल्ड में भी धूम मचा रही हैं।

प्रभास की फिल्म पर आई नई जानकारी, इतने भारी भरकम बजट में बनकर तैयार होगी स्पिरिट

तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के सबसे बड़े सितारों में प्रभास की भी गिनती होती है। उनके फैंस की संख्या करोड़ों में है। हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म कल्कि 2898 एडी बॉक्स ऑफिस पर धुआंधार कमाई करने में सफल रही थी। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म के जबर्दस्त कलेक्शन के बाद इसे ब्लॉकबस्टर घोषित किया गया था। इस फिल्म के बाद प्रभास कई बड़े प्रोजेक्ट में नजर आने वाले हैं। उनमें से ही एक संदीप रेड्डी वंगा की फिल्म स्पिरिट भी है। इस फिल्म में वह एक दमदार पुलिस अफसर की भूमिका में नजर आने वाले हैं। बड़े पर्दे पर प्रभास को वर्दी में देखने के प्रभास की इस आगामी फिल्म को लेकर हाल ही में एक बड़ी जानकारी सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म को 500 करोड़ के भारी भरकम बजट से तैयार किया जाएगा। हालांकि, इसको लेकर निर्माताओं की ओर से कोई आधिकारिक एलान नहीं किया गया है।

गुरु रंधावा के साथ पंजाबी फिल्म में डेब्यू करेंगी निमृत कौर अहलूवालिया

अभिनेत्री निमृत कौर आहलूवालिया पंजाबी फिल्म 'शौंकी सरदार' से पंजाबी फिल्मों में डेब्यू करने को तैयार हैं। फिल्म में उनके साथ गुरु रंधावा भी होंगे। अपने डेब्यू के बारे में निमृत ने कहा, पंजाबी फिल्म में डेब्यू करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है, खासकर गुरु रंधावा के साथ जो इंडस्ट्री में एक आइकन हैं। उन्होंने कहा कि यह फिल्म पंजाब की संस्कृति पर आधारित है। फिल्म शौंकी सरदार एक खूबसूरत कहानी है जो पंजाब की समृद्ध संस्कृति को दर्शाती है और इस सफ़र को शुरू करने के लिए इससे बेहतर प्रोजेक्ट मेरे लिए नहीं हो सकता था। मुझे यकीन है कि मेरे फैंस मुझे इस नए अवतार में देखने के लिए काफी उत्साहित हैं। इस फिल्म को गुरु रंधावा के बैनर 751 फिल्म्स के तहत बनाई जाएगी। फिल्म का निर्देशन धीरज केदार द्वारा किया जा रहा है। यह फिल्म दर्शकों को भरपूर मनोरंजन देने का वादा करती है। टीवी शो खतरों के खिलाड़ी में स्टंट करने वाली निमृत ने हाल ही में साझा किया कि उन्हें मांसपेशियों में खिंचाव और शारीरिक दर्द से राहत पाने के लिए फिजियोथेरेपी करवानी पड़ी थी। लेकिन दर्द अभी भी महसूस होता है। अपने अनुभव के बारे में निमृत ने कहा, खतरों के खिलाड़ी में भाग लेना मेरे जीवन के सबसे रोमांचक और गहन अनुभवों में से एक रहा है। मैं इन स्टंट को करने में इतनी खो गई थी कि कई बार सीमाओं का पार कर जा रही थी। मुझे एहसास ही नहीं हुआ कि मैं कितनी थक गई थी। निमृत ने कहा कि वह रोहित शेट्टी की आभारी हैं, जिन्होंने शानदार तरीके से शो को होस्ट किया। इस महीने की शुरुआत में, अभिनेत्री ने रोहित शेट्टी के साथ शो के दौरान बने अच्छे बॉन्ड के बारे में बात की।

राजकुमार राव ने लगाई अदनान सामी की बॉलीवुड वापसी पर रोक? अपनी फिल्म से हटवाया गायक का गाना!

गायक अदनान सामी नौ साल के अंतराल के बाद बॉलीवुड में वापसी को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। उन्होंने राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी की आगामी फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में एक गाने को अपनी आवाज दी थी। अब उन्हें लेकर हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। खबर है कि फिल्म से अदनान सामी की आवाज को हटा दिया गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, राजकुमार ने निजी चिंताओं का हवाला देते हुए उन्हें पार्श्व गायक के रूप में बदलने के लिए दबाव डाला था, क्योंकि उनका खुद का लिप-सिंकिंग अदनान के मुखर भावों के साथ मेल नहीं खाएगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, अदनान सामी को टी-सीरीज म्यूजिक लेबल और निर्देशक जोड़ी सचिन-जिगर ने नौ साल के अंतराल के बाद एक रोमांटिक गाने के लिए अपनी आवाज देने के लिए संपर्क किया था। गाने की धुन और भूषण कुमार के साथ अपने बेहद करीबी रिश्ते को देखते हुए अदनान सामी ने भी तुरंत सहमति जताई और एक शानदार प्रदर्शन दिया। हालांकि, राजकुमार राव ने पहले ही गाने के दृश्य फिल्माए थे और अस्थाई आवाज का उपयोग करके पिछले संस्करण पर लिप-सिंक किया था। अब उन्होंने फिल्म की टीम से अदनान सामी के प्रभावशाली स्वरों के साथ अपने भावों को मिलाने के बारे में अपनी असहमति जाहिर की। टीम के आश्वासन के बावजूद ने राजकुमार राव ने कथित तौर पर पार्श्व गायक को बदलने की मांग करते हुए अपना पैर पीछे खींच लिया। हालांकि, राजकुमार की असहमति से पहले संगीत जोड़ी और लेबल द्वारा यह घोषणा की जा चुकी थी कि अदनान सामी ने गीत गाया है और इसलिए मीडिया ने इसे बहुत उत्साह के साथ कवर किया। इससे पहले अदनान सामी ने कसूर और विक्की विद्या का वो वाला वीडियो के साथ बॉलीवुड में वापसी करने के अपने अनुभव को साझा किया था। उन्होंने कहा था कि यह कोई सोची-समझी चाल नहीं थी, बल्कि कुछ ऐसा था, जो हुआ। मुझे मुख्य रूप से खुद को ठीक करने, तरोताजा करने और कुछ नया सुनने के लिए थोड़ा समय चाहिए था। वास्तव में एहसास नहीं होता कि यह इतना लंबा अंतराल रहा है, क्योंकि समय बहुत तेजी से भागता है। ऐसा लगता है जैसे कल ही बजरंगी भाईजान आई थी और मैंने भर दो झोली गाया था। जब आप पीछे देखते हैं, तो आपको लगता है कि बहुत समय बीत गया है। मैं नए गाने को लेकर उत्साहित हूं।

निर्माता कम फीस लेने वालों का कास्ट करते हैं

आहना कुमरा इंडस्ट्री में एक जाना-माना नाम हैं। उन्होंने कई सफल शो में काम किया है। हाल ही में अभिनेत्री ने अपने संघर्षों के बारे में बात की और बताया कि पिछले तीन सालों से उन्हें कोई भूमिका नहीं मिली है। आहना कुमरा ने यह भी बताया कि उन्होंने अब अपना ध्यान प्रोडक्शन पर केंद्रित कर लिया है। उन्होंने कहा, मुझे अब शो ऑफर नहीं किए जा रहे हैं, मुझे तीन साल से अधिक समय से कोई ऑफर नहीं मिला है, कोई भी मुझे कुछ नहीं दे रहा है। मैं ओटीटी पर बहुत काम करती थी, लेकिन इतने सालों से कुछ नहीं किया है। अभिनेत्री ने आगे कहा कि मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं है, लोग साल में 1-2 शो ही करते हैं, मैं तो वो भी नहीं कर पाती। मुझे तो पता ही नहीं क्या चल रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि निर्माता ऐसे अभिनेताओं को कास्ट करना चाहते हैं जो कम फीस लेते हैं। अहाना ने कहा, वे (निर्माता) ऐसे स्टार या किसी ऐसे व्यक्ति को कास्ट करना चाहते हैं जो कम फीस लेता हो।

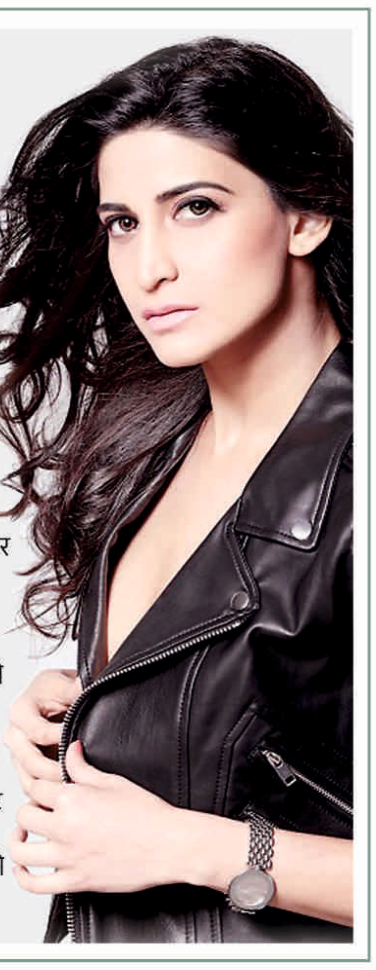

स्टार इंडिया ने जी एंटरटेनमेंट पर किया 94 करोड़ डॉलर का दावा, क्रिकेट प्रसारण से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली, एजेंसी। वॉल्ट डिज्नी की भारतीय इकाई स्टार इंडिया ने लंदन की मध्यस्थता अदालत में जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज से 94 करोड़ डॉलर का हर्जाना मांगा है। स्टार इंडिया के अनुसार पुनीत गोयनका की कंपनी ने क्रिकेट प्रसारण अधिकारों के लिए भुगतान में चूक की है। स्टार ने इस मामले में पूर्ण भुगतान किए जाने तक लागत, व्यय और उस पर लागू ब्याज की भी मांग की है। उधर, जी ने स्टार इंडिया के हर्जाने के दावों का खंडन करते हुए कहा है कि वह इस दावे का विरोध करेगा। मुंबई में सूचीबद्ध प्रसारक ने एक विनियामक फाइलिंग में कहा, मध्यस्थता अपने शुरुआती चरण में है और लंदन न्यायाधिकरण को अभी यह निर्धारित करना है कि कंपनी किसी भी तरह से उत्तरदायी है या नहीं। इस साल मार्च में, स्टार ने लंदन कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन का रुख किया था, क्योंकि जी 26 अगस्त 2022 के एक समझौते का पालन करने में विफल रहा था। इस समझौते के तहत उसे (स्टार इंडिया को) आईसीसी के लिए टेलीविजन प्रसारण लाइसेंस जी को देना था। टूर्नामेंटों की मेजबानी चार वर्षों के लिए, अर्थात् 2024 से 2027 तक, उसे सौंप दी गई है। हालांकि, छह महीने बाद सितंबर में, स्टार ने जी के साथ समझौता समाप्त कर दिया और अन्य शुल्कों के साथ 31 अगस्त तक 94 करोड़ डॉलर का हर्जाना निर्धारित मांग। जी ने बुधवार को कहा, हम, योग्यता के आधार पर, स्टार के सभी निराधार दावों का दृढ़ता से विरोध करेंगे और अपने सभी अधिकार सुरक्षित रखेंगे। जी के अनुसार स्टार ने ही समझौते का उल्लंघन किया है और उसे 68.5 करोड़ डॉलर चुकाने चाहिए। इस साल जनवरी में, जी ने स्टार को अपना पहला भुगतान नहीं किया था क्योंकि वह कथित तौर पर भुगतान करने की स्थिति में नहीं था।

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लाएगी 10,000 करोड़ का इश्यू

कंपनी ने इसके लिए सेबी के पास ड्राफ्ट दाखिल किया, इसके तहत पूरी तरह से नए शेयर जारी किए जाएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। पावर सेक्टर की सरकारी कंपनी एनटीपीसी के शेयरों में आज कारोबार के दौरान 3.5त्न से अधिक तेजी आई। यह बीएसई पर 431.85 रुपये के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। एनटीपीसी की सहायक कंपनी एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी ने बुधवार को 10,000 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए सेबी के पास ड्राफ्ट दाखिल किया। इसके मुताबिक कंपनी केवल नए शेयर जारी करेगी और मौजूदा शेयरधारक कोई हिस्सेदारी नहीं बेचेंगे। यह फाइलिंग ऐसे समय में हुई है जब बिजली उत्पादक कंपनियां ग्रीन एनर्जी पर बड़ा दांव लगा रहे हैं। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी का शेयर इस साल का सबसे बड़ा आईपीओ होगा। इस ऑफर का एक हिस्सा कंपनी के कर्मचारियों के लिए रिजर्व होगा और उन्हें डिस्काउंट मिलेगा। इश्यू का 75 फीसदी हिस्सा क्यूआईबी के लिए, 15 फीसदी नॉन इंस्टीट्यूशनल निवेशकों और 10 फीसदी रिटेल निवेशकों के लिए होगा।

यह आईपीओ इसलिए अहम है क्योंकि भारत ने 2030 तक 500 गीगावॉट ग्रीन एनर्जी प्राप्त करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उसे सालाना लगभग 50 गीगावॉट क्षमता जोड़ने की आवश्यकता है। भारत में आईपीओ बाजार में तेजी है। इस

साल अब तक लगभग 235 कंपनियों ने 8.6 अरब डॉलर से अधिक जुटाए हैं। यह पिछले साल जुटाई गई कुल राशि से अधिक है। एनटीपीसी ग्रीन पूरी तरह एनटीपीसी के स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। यह परिचालन क्षमता और बिजली उत्पादन के मामले में सरकारी सेक्टर की सबसे बड़ी ग्रीन एनर्जी कंपनी है।

कंपनी का कामकाज

इस कंपनी के ग्रीन एनर्जी पोर्टफोलियो में छह से अधिक राज्यों में मौजूदगी के साथ सौर और पवन ऊर्जा एसेट्स शामिल हैं। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी की परिचालन क्षमता 31 अगस्त तक 4,071 मेगावॉट थी। इसमें 3,071 मेगावॉट सोलर और 100 मेगावॉट विंड प्रोजेक्ट शामिल हैं। कंपनी का कहना है कि इस आईपीओ से होने वाली इनकम में से 7,500 करोड़ का उपयोग एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी का कर्ज कम करने और बाकी सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। आईडीबीआई कैपिटल मार्केट्स, एचडीएफसी बैंक, आईआईएफएल सिक्योरिटीज और नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट इस इश्यू के बैंकर हैं।

एनटीपीसी ने 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए 4510.98 करोड़ रुपये का स्टैंडअलोन शुद्ध लाभ दर्ज किया है, जो पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में 11त्न अधिक है। इस अवधि में कंपनी का परिचालन से राजस्व 44,419.22 करोड़ रुपये हो गया। परिचालन से राजस्व साल-दर-साल आधार पर 13.5त्न बढ़ा जबकि एक साल पहले इसी तिमाही में यह 39,122.25 करोड़ रुपये था। पिछले एक साल में एनटीपीसी के शेयरों में 78.4त्न की तेजी आई है जबकि पिछले 6 महीनों में शेयर में 37.3त्न की वृद्धि हुई है। साल-दर-साल आधार पर शेयर में 39त्न की वृद्धि हुई है।

अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने ढाई साल में पहली बार घटाई ब्याज दरें

पूरी दुनिया के शेयर बाजारों पर दिखेगा असर

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने बुधवार को ब्याज दरों में 50 बेसिस अंकों की कटौती का ऐलान कर दिया है। फेडरल रिजर्व ने इस कटौती के लिए महंगाई कम होने को लेकर कॉन्फिडेंस ज्यादा बढ़ने को मुख्य कारण बताया है। मार्च 2020 के बाद पहली बार ब्याज दरों में कमी की गई है। अमेरिकी ब्याज दरों में कमी का असर गुरुवार को भारत समेत दुनिया के शेयर बाजार में दिखाई देगा। माना जा रहा है कि इससे शेयर मार्केट में तेजी आ सकती है। इस कटौती से पहले फेड रिजर्व की दरें 5.25 से 5.5 फीसदी के बीच थीं जो 23 साल में सबसे ज्यादा रहीं। ब्याज दरों में कमी की घोषणा के बाद नई ब्याज दर 4.75 से 5 फीसदी के बीच हो गई हैं। महंगाई के बीच अमेरिकी केंद्रीय बैंक पर ब्याज दरें कम करने का दबाव भी था। विशेषज्ञ उम्मीद जता रहे हैं कि इस साल अभी और 50 बेसिस अंकों की कटौती ब्याज दरों में हो सकती है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक के नीति निर्माताओं ने कटौती की घोषणा के साथ एक बयान में कहा, कमेटी इस बात को लेकर ज्यादा आश्वस्त है कि महंगाई 2 फीसदी के आसपास रहने की ओर बढ़ रही है। इसके साथ ही हमें अपने रोजगार और महंगाई लक्ष्यों में संतुलन बने रहने की भी उम्मीद है।

अपना कर्ज कम करने में लगी है रिलायंस पावर

3,872 करोड़ की पूरी देनदारी का भुगतान किया

- **गौतम अडानी की नजर उसके एक प्लांट पर है**

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्ज में डूबे उद्योगपति अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर के शेयरों में लगातार तीसरे दिन अपर सर्किट लगा है। कंपनी ने बुधवार को बताया कि उसने अपनी सब्सिडियरी रही कंपनी विदर्भ इंडस्ट्रीज पावर के लिए गारंटर के तौर पर 3,872 करोड़ रुपये की पूरी देनदारी चुका दी है। विदर्भ इंडस्ट्रीज पावर के पास नागपुर के बुटीबोरी में 600 मेगावाट का पावर प्लांट है। अडानी ग्रुप की नजर इसी पावर प्लांट पर है। मुंबई को बिजली सप्लाई में इस प्लांट की अहम भूमिका है। अब रिलायंस पावर के कर्ज चुकाने से इस डील की बड़ी बाधा दूर हो गई है।

इससे पहले खबर आई थी कि अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी पावर ने बुटीबोरी प्लांट को खरीदने के लिए सीएफएम एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी के साथ बातचीत शुरू कर दी है। सीएफएम ने बुटीबोरी प्रोजेक्ट का सारा लोन 1,265 करोड़ रुपये में खरीद लिया था। अडानी ग्रुप देश का सबसे बड़ा प्राइवेट थर्मल पावर प्रॉड्यूसर है। उसकी

नजर बुटीबोरी प्लांट पर है। माना जा रहा है कि यह डील 2,400 से 3,000 करोड़ रुपये में हो सकती है। देश में बिजली की मांग लगातार बढ़ रही है और अडानी ग्रुप इस मौके का पूरा फायदा उठाना चाहता है। इस डील के पूरे होने के बाद गौतम अडानी पावर सेक्टर में अपनी पकड़ और मजबूत कर लेंगे।

क्यों जरूरी है प्रोजेक्ट

बुटीबोरी प्लांट में 300-300 मेगावाट की दो यूनिट हैं लेकिन कोयले आपूर्ति नहीं होने के कारण दोनों यूनिट बंद पड़ी हैं। अगर यह प्लांट अडानी के पास जाता है तो इससे उत्पादन शुरू हो सकता है। अडानी ग्रुप के पास नागपुर से करीब 125 किमी दूर तिरोदा में 3.3 गीगावाट का कोयला आधारित सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट है। ग्रुप की योजना तिरोदा प्लांट को बुटीबोरी प्रोजेक्ट से जोड़ने की है। 2019 तक बुटीबोरी प्रोजेक्ट मुंबई में बिजली सप्लाई का अहम सप्लायर था। सज्जन जिंदल के नेतृत्व वाली जेएसडब्ल्यू एनर्जी लिमिटेड ने शुरू में इस प्रोजेक्ट में रुचि दिखाई थी। लेकिन वैल्यूएशन और ऑपरेशनल संबंधी मुद्दों के कारण उसने हाथ पीछे खींच लिए।

एक सिगरेट के बराबर पहुंची वोडाफोन आइडिया की कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्ज में डूबी टेलिकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया का शेयर गुरुवार को एनएसई पर 15 फीसदी टूटकर 10.96 रुपये के निचले सर्किट पर पहुंच गए। बीएसई पर भी यह 15त्न की गिरावट के साथ 10.33 पर पहुंच गया जो इसका 52 हफ्ते का न्यूनतम स्तर है। सुप्रीम कोर्ट ने एडजस्टेड ग्रॉस रेवेन्यू की नए सिरे से गणना करने के टेलिकॉम कंपनियों के अनुरोध को गुरुवार को खारिज कर दिया था। एयरटेल और वोडाफोन आइडिया ने सुप्रीम कोर्ट से पिछले आदेश के खिलाफ क्यूरेटिव पिटीशन दायर की थी। इन कंपनियों की दलील थी कि टेलिकम्युनिकेशन डिपार्टमेंट ने एजीआर बकाया की गणना में गलतियां की थी जिन्हें सुधारा जाना चाहिए। लेकिन कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया।

विभाग ने वोडाफोन आइडिया से 2019 में 58,000 करोड़ रुपये की डिमांड की थी। ब्याज लगाने के साथ यह रकम वित्त वर्ष 2024 के अंत तक 70,320 करोड़ रुपये हो गया है। हाल में वैश्विक ब्रोकरेज फर्म गोल्डमैन सैश ने वोडाफोन आइडिया के शेयर का टारगेट प्राइस 2.5 रुपये रखा है। यानी कंपनी का शेयर अभी 83 प्रतिशत तक गिर सकता है। गोल्डमैन ने एक रिपोर्ट में कहा कि वोडाफोन आइडिया वित्त वर्ष 26ई ईवी/ईबीआईटीडीए के 24 गुना पर कारोबार कर रहा है। यह भारती एयरटेल तथा जियो से लगभग 100 प्रतिशत प्रीमियम है।

शेयर की चाल

ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म का कहना है कि कमजोर ग्रोथ, मार्जिन रिटर्न तथा प्रतिस्पर्धियों की तुलना में बैलेंस शीट प्रोफाइल को देखते हुए हमें इस प्रीमियम के सीमित कारण दिखाई देते हैं। वोडाफोन आइडिया देश की तीसरी बड़ी टेलिकॉम कंपनी है लेकिन लंबे समय से यह वित्तीय परेशानी से जूझ रही है। कंपनी का 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 19.15 रुपये है। 28 जून को यह इस स्तर पर पहुंचा था। कंपनी का मार्केट कैप अब करीब 74,055 करोड़ रुपये रह गया है।

घर में शुरू की कीड़ा जड़ी की खेती, सालाना 30 लाख रुपये पहुंची कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। आपने घर में खेती करना सुना होगा। लेकिन क्या घर में जड़ी-बूटी उगाना सुना है अगर सुना होगा तो काफी कम। दिल्ली की रहने वाली सुमन सुखीजा आज एक खास जड़ी-बूटी का बिजनस करके लाखों रुपये कमा रही हैं। सुमन कॉर्डिसेप्स मशरूम की खेती करती हैं। इसे हिंदी में कीड़ा जड़ी के नाम से भी जानते हैं। कीड़ा जड़ी अपने औषधीय गुणों के लिए काफी फेमस है। सुमन इसकी खेती के अलावा लोगों को इसे उगाने की ट्रेनिंग भी देती हैं।

सुमन बताती हैं कि घर में वह ज्यादातर समय खाली रहती थीं। ऐसे में उन्होंने सोचा कि इस खाली समय में कुछ बिजनेस किया जाए। साल 2018 में उन्होंने हरियाणा के मुरथल में एचएआईसी मशरूम और कृषि विकास केंद्र से मशरूम की खेती की ट्रेनिंग ली। बटन मशरूम की खेती के बारे में सीखते समय उन्होंने कॉर्डिसेप्स मिलिटेरिस के बारे में भी सुना। यह हिमालय में पाया जाने वाला औषधीय गुणों वाला एक कवक है। इसे प्रयोगशाला में भी उगाया जा सकता है। इसे हिंदी में कीड़ा जड़ी के नाम से जाना जाता है।

घर पर की शुरुआत- ट्रेनिंग पूरी करने के बाद सुमन ने अपने घर के एक कमरे में एक लैब बनाई। वह कहती हैं कि साल 2018 में 200 वर्ग फीट में लैब बनाने में

करीब 4 लाख रुपये का खर्च आया। उन्होंने थाईलैंड से कल्चर खरीदा। यह कल्चर कॉर्डिसेप्स उगाने का आधार या बीज है। यह ठोस होता है और 3 इंच की पेट्री डिश में आता है। सुमन अब इसे 93 हजार रुपये प्रति किलो की कीमत में बेचती हैं। इसे बेचकर वह करीब 30 लाख रुपये साल की कमाई कर रही हैं।

ज्यादा मेहनत की जरूरत नहीं

इस खेती को करने में ज्यादा मेहनत या समय की जरूरत नहीं पड़ती। सुमन बताती है कि इसकी शेल्फ लाइफ लंबी होती है और इन्हें ताजा बेचने का कोई दबाव नहीं होता। कॉर्डिसेप्स को एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर माना जाता है। साथ ही यह ऑटोइम्यून बीमारियों, सांस से संबंधी समस्याओं, डायबिटीज, कोलेस्ट्रॉल कम करने, किडनी को हेल्दी रखने आदि में कारगर है।

हर महीने काफी लोगों को ट्रेनिंग

सुमन हर महीने लगभग 20 से 30 लोगों को इसकी खेती की ट्रेनिंग देती हैं। साथ ही उनके लिए लैब स्थापित करने में मदद भी करती हैं। ट्रेनिंग के लिए प्रति व्यक्ति 15 हजार रुपये लेती हैं। सुमन बताती हैं कि जो भी शख्स कॉर्डिसेप्स की खेती करना चाहता है, उसके पास कम से कम 100 वर्ग फुट का स्पेस होना जरूरी है। इसमें शुरुआती निवेश करीब 3 लाख रुपये का होता है।

सहारा में निवेश कर फंसे लोगों के लिए राहत भरी खबर, पैसों की वापसी पर सरकार का बड़ा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने सहारा समूह की सहकारी समितियों के छोटे जमाकर्ताओं के लिए धन वापसी की सीमा को 10,000 रुपये से बढ़ाकर 50,000 रुपये कर दिया है। सहकारिता मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। सरकार ने अब तक सीआरसीएस-सहारा रिफंड पोर्टल के माध्यम से सहारा समूह के सहकारी समितियों के 4.29 लाख से अधिक जमाकर्ताओं को 370 करोड़ रुपये जारी किए हैं। अधिकारी ने कहा, रिफंड राशि की सीमा बढ़ाकर 50,000 रुपये करने से अगले 10 दिनों में लगभग 1,000 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि पिछले सप्ताह छोटे जमाकर्ताओं के लिए रिफंड राशि की सीमा 10,000 रुपये से बढ़ाकर 50,000 रुपये कर दी गई थी। सरकार रिफंड जारी करने से पहले जमाकर्ताओं के दावों की सावधानीपूर्वक जांच कर रही है। सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद, सहारा समूह की चार बहु-राज्य सहकारी समितियों के वास्तविक जमाकर्ताओं को पैसे लौटाने के लिए 18 जुलाई, 2023 को सीआरसीएस-सहारा रिफंड पोर्टल शुरू किया गया।

ये समितियां हैं – सहारा क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, लखनऊ; सहारायन यूनिवर्सल मल्टीपर्पज सोसाइटी लिमिटेड, भोपाल; हमारा इंडिया क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, कोलकाता; तथा स्टार्स मल्टीपर्पज कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, हैदराबाद।

टीसीएस ने मैकडॉनल्ड्स से मिलाया हाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने फिलीपींस में मैकडॉनल्ड्स के मास्टर फ्रैंचाइजी होल्डर के साथ दो साल का अनुबंध किया है। हालांकि इस डील की फाइनेंशियल डिटेल का खुलासा नहीं किया गया। फिलीपींस के जॉर्ज यांग के नेतृत्व वाली गोल्डन आर्चेस डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के साथ पार्टनरशिप एशिया प्रशांत क्षेत्र में फास्ट-फूड इंडस्ट्री में टीसीएस की पहली साझेदारी है। टीसीएस ने बुधवार को एक रेगुलेटरी फाइलिंग में इसकी जानकारी दी। शुरुआती कारोबार में कंपनी का शेयर बीएसई पर 1.27त्न तेजी के साथ 4402 रुपये पर ट्रेड कर रहा है।

टीसीएस ने कहा कि डील की शर्तों के तहत वह फिलीपींस में 760 से अधिक मैकडॉनल्ड्स रेस्तरां में आईटी ऑपरेशन को डिजिटाइज करेगी। इसमें जीएडीसी में मौजूदा सिस्टम को अपग्रेड करना और क्लाउड पर शिफ्ट करना शामिल होगा। जीएडीसी के एमडी मार्गोट टोरेस ने कहा कि टीसीएस के साथ यह साझेदारी हमारे निरंतर डिजिटल ट्रांजिशन की ओर एक और कदम है। इससे हमारा कामकाज बेहतर होगा और हम ग्राहकों तथा कर्मचारियों के अनुभव को लगातार बेहतर बना सकेंगे।

फिलीपींस में टीसीएस का कामकाज

टीसीएस का कहना है कि अपग्रेडेशन प्रक्रिया से कंपनी की कार्यकुशलता बढ़ेगी, परिचालन लागत में सुधार होगा, डिजिटल ट्रांजिशन और इनोवेशन को बढ़ावा मिलेगा, फ्रैंचाइजी अनुभव को बेहतर होगा। इससे स्टेकहोल्डर्स को फायदा होगा और कामकाज में सुधार आएगा। टीसीएस जीएडीसी की प्रोसेस को भविष्य के लिए भी तैयार करेगी ताकि उनकी विकास योजनाओं को सपोर्ट मिल सके। टीसीएस फिलीपींस में 2008 से काम कर रही है। वर्तमान में इसके 5,000 से अधिक कर्मचारी दूरसंचार, बैंकिंग और वित्त, रियल एस्टेट और एयरलाइंस जैसे क्षेत्रों में काम कर रहे हैं।

नवंबर से दिसंबर मध्य तक होनी हैं 35 लाख शादियां, 4.25 लाख करोड़ रुपये खर्च किए जाने का अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में त्योहारी सीजन के साथ ही शादियों का भी सीजन भी शुरू होने वाला है। यह नवंबर से शुरू होकर अगले साल फरवरी मार्च तक चलेगा। हाल ही में मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अबानी की शाही शादी लोगों ने देखी है, उसका असर देश के वेडिंग मार्केट पर भी दिखेगा। देश का धनाढ्य वर्ग अंबानी जैसी शादी तो भले न करे नहीं लेकिन खर्च करने में वे पीछे भी नहीं हटेंगे। नवंबर से लेकर दिसबंर 2024 के मध्य तक 35 लाख शादियां होनी है, जिसमें 4.25 लाख करोड़ रुपये खर्च होने की उम्मीद है। रिसर्च कंपनी प्रभुदास लीलाधर (पीएल कैपिटल) की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में हर साल लगभग 1 करोड़ शादियां होती है, जिससे भारतीस विवाह उद्योग दुनिया भर में दूसरा सबसे बड़ा उद्योग बन गया है।

द इकोनॉमिस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार विवाह उद्योग भारत का चौथा बड़ा उद्योग है, जिसमें प्रति वर्ष 139 बिलियन डॉलर का भारी खर्च होता है। इससे लाखों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर मिलते हैं। रिपोर्ट के अनुसार

कोविड जैसी महामारी की चुनौतियों से उबरने के बाद उद्योग ने पिछले तीन सालों में डिजिटल इनोवेशन को अपनाया है। जिसकी वजह से इस स्तर पर भी बदलाव देखा जा रहा है। पिछले कुछ डेस्टिनेशन वेडिंग के रूप में भारत के प्रमुख बाजार बनकर उभरा है। जिसको देखते सरकार पर्यटन क्षेत्र में डेस्टिनेशन वेडिंग के रूप में आगे बढ़ाने पर विचार भी कर रही है।

प्रभुदास लीलाधर के प्रमुख सलाहकार विक्रम कासट बताते हैं कि देश में नवंबर से लेकर दिसबंर 2024 के मध्य तक 35 लाख शादियां होनी है, जिसमें 4.25 लाख करोड़ रुपये खर्च होने की उम्मीद है। इसके साथ ही सोने और चांदी के आयात शुल्क में हाल ही में 15 प्रतिशत से 6 प्रतिशत कटौती से देश भर में सोने की खरीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है, विशेषकर आगामी त्योहारों और शादियों के मौसम के साथ ही धार्मिक महत्व को देखते हुए भी इसमें खरीदारी बनी रहेगी। निवेशक भी सोने और चांदी में निवेश को बढ़ावा दे रहे है।

विक्रम का कहना है कि भारतीय शेयर बाजार में अक्सर त्योहारी और शादी के मौसम के दौरान तेजी देखी जाती है, जो काफी हद तक उपभोक्ता खर्च में वृद्धि होने की वजह से होती है। रिटेल, हॉस्पिटालटी, आभूषण और ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों को इस बढ़ी हुई मांग से काफी लाभ मिलता है। हालांकि प्रभाव विभिन्न क्षेत्रों में अलग अलग हो सकता है, लेकिन भारतीय अर्थव्यवस्था पर संपूर्ण प्रभाव देखने को मिलता है।

विवाह उद्योग को बढ़ावा देने पर हो रहा विचार

रिपोर्ट के अनुसार भारत सरकार का लक्ष्य देश को अंतरराष्ट्रीय विवाह स्थल यानी डेस्टिनेशन वेडिंग के रूप में स्थापित करके भारत में पर्यटन को रणनीतिक रूप से बढ़ावा देना है। इसके लिए सरकार एक अभियान की तैयारी कर रही है, जिसमें देश भर के लगभग 25 प्रमुख शहरों के स्थलों की रूपरेखा को तैयार किया जाएगा। मेक इन इंडिया के अभियान से प्रेरित होकर इस अभियान का उद्देश्य लगभग 12.1 बिलियन डॉलर (1 लाख करोड़ रुपये) को आकर्षित करना होगा, जो मौजूदा समय में विदेशों के वेडिंग डेस्टिनेशन पर खर्च किया जाता है। कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के एक सर्वेक्षण के अनुसार 2024 में 15 जनवरी से 15 जुलाई तक उद्योग में पहले से ही 42 लाख से अधिक शादियां हो चुकी है, जिस पर 5.5 लाख करोड़ रुपये का खर्च किया जा चुका है। कैट ने सरकार की मेक इन इंडिया पहल स्वागत करते हुए कहा है कि यह देश में एक नए पर्यटन को बढ़ावा देने और दूसरे देशों में डेस्टिनेशन वेडिंग के खर्च को रोकने का बेहतर प्रयास साबित होगा।

गोविन्द राठी 52वें रामायण मेले के प्रधान संयोजक मनोनित

हैदराबाद (एजेंसी),

राजस्थानी प्रगति समाज के अध्यक्ष कमलनारायण अग्रवाल ने समाज के महामंत्री, सामाजिक कार्यकर्ता एवम् भाजपा नेता गोविन्द नारायण राठी को 52 वें रामायण मेला जो गुरुवार 3 से शनिवार 12 अक्तूबर तक नुमाईश मैदान मे एक्जीबिशन सोसाईटी एवम् एकनामिक कमिटी के सहयोग से होने जा रहा है,जिसका प्रधान संयोजक मनोनित किया गया ।कमलनारायण अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ती के अनुसार गोविन्द राठी को प्रधान संयोजक विगत कई वर्षो से रामायण मेला कि सफलता व्यापक और पार विगत मे उत्रोत्तर अभी वृद्धी हो रही है । गोविन्द राठी ने राजस्थानी प्रगती समाज के अध्यक्ष कमलनारायण अग्रवाल, कार्यकारिणी समिति के सदस्य एवम् रामायण मेला के पदाधिकारी एवम् सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास दिलाया कि वे पुर्ण निष्टा के साथ साथियो सहित 52 वें रामायण मेला को अभुतपुर्व बनाने का प्रयास करेंगेगोविन्द राठी ने आगे कहा 51 वर्ष रामायम मेला के पुर्ण हो चुके है।

ओर इस वर्ष 52 वें साल में बडी हर्षोल्लास से कवि सम्मेलन, डांडिया, सांस्कृतिक कार्यक्रम, रावण दहन, श्री रामजी का राज्य अभिषेक आप सभी लोगो के सहयोग से बनाया जाएगा।आगे कहा गया रामायण मेला की अगली बैठक में अलग-अलग समितियों का गठन किया जाएगा।गोविन्द राठी ने सभी हिन्दुओ से आहवान किया कि इस 52 वें रामायण मेला मे भाग लेकर इसका लाभ उठाएँ।

बहुभाषी दौर में हिंदी का उज्जवल भविष्य- डॉ. सीमा वर्मा

हैदराबाद (एजन्सी),

शिक्षा एवं प्रशिक्षण विभाग, मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय द्वारा 18 सितंबर, 2024 को हिंदी दिवस समारोह के अवसर पर "बहुभाषी दौर में हिंदी का भविष्य" विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई। समारोह की मुख्य वक्ता डॉ. सीमा वर्मा, सहायक निदेशक, राजभाषा विभाग, भारत सरकार ने हिंदी भाषा के महत्व को बहुभाषा के संदर्भ में विस्तृत तौर पर समझाया। भारत में भाषाई विविधता है विभिन्न भाषाओं का मान सम्मान करते हुए हमें हिंदी के उत्थान को भी आगे बढ़ाना चाहिए। डिजिटल दौर में जिस तरह से भाषाओं में परिवर्तन हो रहा है उन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए हिंदी के विकास को आगे बढ़ाना हमारी प्रमुखता रहनी चाहिए। डॉ शगुफ्ता परवीन ,हिंदी भाषा अधिकारी, मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी ने समारोह में हिंदी भाषा प्रकोष्ठ का यूनिवर्सिटी में हिंदी के विकास, उत्थान, शिक्षण और प्रशिक्षण की भूमिका पर रोशनी डाली । उन्होंने हिंदी भाषा को प्रशासन में प्रयोग करने पर विशेष तौर पर ज़ोर दिया। हिंदी विभाग के

प्रोफेसर पठान रहीम खान ने विद्यार्थियों को हिंदी भाषा में रोजगार और भविष्य को लेकर विस्तृत तौर पर व्याख्यान दिया। प्रोफेसर पठान ने बताया कि हिंदी भाषा के अध्ययन से भी हम अपना बेहतर कैरियर बना सकते हैं इसमें भी रोजगार की असीम संभावनाएं हैं। प्रोफेसर पठान ने निजी क्षेत्र में भी हिंदी में रोजगार को लेकर विद्यार्थियों को सचेत किया। विश्वविद्यालय राजभाषा समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर नजमुल हसन ने विद्यार्थियों को हिंदी भाषा में कामकाज करने और प्रशासन में इसके प्रयोग पर विस्तृत तौर पर बताते हुए इसे हिंदी भाषा के रोजमर्रा के कामकाज में प्रयोग पर जोर दिया। प्रोफेसर सिद्दीकी मोहम्मद मोहम्मद, ओएसडी, मानू ने विभिन्न स्थानीय व क्षेत्रीय भाषाओं के महत्व पर जोर देते हुए हिंदी भाषा के वैश्विक दौर में उत्थान और उसके विकास पर विस्तृत तौर पर ध्यान दिलाया । शिक्षा एवं प्रशिक्षण संकाय की डीन प्रोफेसर एम. वनजा ने विभिन्न भाषाओं के ज्ञान और समझ को शिक्षण के संदर्भ में विस्तार पूर्वक समझाते हुए परिवार के संदर्भ में भी इस पर रोशनी डाली। प्रोफेसर वनजा ने विद्यार्थियों को स्थानीय व क्षेत्रीय भाषाओं के अलावा किसी अंतरराष्ट्रीय भाषा के अध्ययन के लिए भी प्रेरित किया।

प्रोफेसर वनजा ने संकाय में हिंदी शिक्षण के अध्ययन पर भी चर्चा की। प्रोफेसर वनजा ने प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षण पर जोर दिया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉक्टर अश्विनी ने स्वागत भाषण देते हुए बताया कि हमें भाषाई विविधता को समझते हुए भारत के संदर्भ में अपनी विभिन्न क्षेत्रीय व स्थानीय भाषाओं का अध्ययन करना चाहिए। हिंदी दिवस के अवसर पर विभाग में एक हिंदी निबंध प्रतियोगिता "बहुभाषी दौर में हिंदी की स्थिति" पर आयोजित की गई थी। जिसके लिए विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता के विद्यार्थियों को भी पुरस्कृत किया गया। हिंदी भाषा प्रकोष्ठ के द्वारा हिंदी शिक्षण से संबंधित प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण प्राप्त कर्मचारियों को देकर सम्मानित किया गया। इस समारोह में विभाग के विभिन्न विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विभाग अध्यक्ष प्रो. शाहीन अलताफ़ शेख ने अपने संदेश में कहा कि विभिन्न भाषाओं के अध्ययन से विद्यार्थियों की बौद्धिक और मानसिक क्षमताओं का विकास होता है। डॉक्टर जहांगीर आलम ने विभिन्न कविताओं के माध्यम से कार्यक्रम का बहुत ही सराहनीय संचालन किया। डॉ शेख एहतेशामुद्दीन ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। आयोजन समिति के सदस्य डॉ अश्विनी, डॉ. वी. एस.सुमी , डॉ. फिरदौस तबस्सुम, डॉ. रुबीना, श्री जहांगीर आलम, डॉ. शेख एहतेशामुद्दीन और डॉ. अफशान अब्दुलकरीम के प्रयासों से कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित हुआ।

हैदराबाद (एजन्सी),मंगलहाट में लारना निलयम में स्थित गणेश महाराज की पुजा-अर्चना व बोली के लाभार्थी कालुराम चीन्टु बाकरेचा व उपस्थित कुमावत समाज ट्रस्ट हैदराबाद-तेलंगना के अध्यक्ष भाकरराम लारना व कमलकिशोर, देवकरण लारना, रामदिन चौधरी, डा॑. काशीनाथ, बनवारीलाल सियोटा, गीरधारीलाल पुष्पेन्द्र लिम्बा, तेजाराम मोटावत, भीकाराम रोहिवाल, केशव बाकरेचा, ध्रुव खुदाल, व लारना निलयम के सदस्य व मित्र गण गाजे बाजे नाचते झुमते हुए गणेश महाराज का विसर्जन किया।

एसपी से मिले सनातन हिंदू उत्सव समिति के सदस्य

आदिलाबाद (एजन्सी),

सनातन हिंदू उत्सव समिति के सदस्यों ने आदिलाबाद जिले के एसपी गौश आलम से मुलाकात की। हाल ही में जिले में शांतिपूर्ण माहौल में गणेश विसर्जन समारोह संपन्न कराने के लिए पुलिस बल के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए गुरुवार को एसपी द्वारा एक स्मृति चिन्ह सौंपा गया।

इस अवसर पर उन्होंने समिति के सदस्यों को धन्यवाद दिया जिन्होंने शांतिपूर्ण माहौल में भगवान गणेश के विसर्जन का आयोजन करने में मदद की। इस कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार खत्री, मानद अध्यक्ष बंदरी वामन, महासचिव गेदाम माधव, पुसम आनंद, एन्नावर राजू, कोटिपल्ली विजय और अन्य ने भाग लिया।

पीएम विश्वकर्मा प्रथम वर्षगांठ समारोह

आदिलाबाद (एजन्सी),

शुक्रवार को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की पहली वर्षगांठ समारोह 20 सितंबर 2024 को सुबह 10:00 बजे पीएमआरसी कॉन्फ्रेंस हॉल, उत्नूर केबी कॉम्प्लेक्स में भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद गोडेम नागेश शामिल होंगे. इसके अलावा वेदमा भोज्जू विधायक खानापुर, पायल शंकर विधायक, अनिल जाधव विधायक दोनों, राजर्षि शाह आईएएस जिला कलेक्टर आदिलाबाद, खुशबू गुप्ता आईएएस आईटीडीए उत्नूर परियोजना अधिकारी सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लेने जा रहे हैं।

अन्य सम्माननीय अतिथि विद्यानंद संयुक्त निदेशक आरडीएसडी हैदराबाद, राजेश कुमार यादव एडी एमएसएमई हैदराबाद, सीतारमुलु क्षेत्रीय उप निदेशक वरंगल, श्रीनिवास रोड्डा प्रिंसिपल एफएसी सरकार आईटीआई उटनूर होंगे। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महाराष्ट्र के वर्धा से कार्यक्रम की वर्चुअल शुरुआत करेंगे. इस खास कार्यक्रम में प्रधानमंत्री विभिन्न लाभ के लाभार्थियों से सीधे बात करेंगे और उनकी राय पूछेंगे. प्रिंसिपल रोडा श्रीनिवास ने कहा कि समारोह न केवल सभी के लिए प्रेरणादायक होगा, बल्कि गरीबों, श्रमिकों और व्यवसायों के विकास के समर्थन में योजना के महत्व पर भी प्रकाश डालेगा।

मत्स्य मंत्री मंकाळ ने किया मछुआरों से संवाद

कलबुर्गी (एजन्सी),

मत्स्य बंदरगाह और अंतर्देशीय जल परिवहन मंत्री मंकाळ एस. वैद्य ने जिलाधिकारी कार्यालय कक्ष में मछुआरों के साथ मछली पालन में आने वाले कमियों और विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों के साथ संवाद किया। मंत्री ने कालगी तालुक के कलगुर्थी गांव का दौरा किया और मत्स्य सम्पदा योजना के तहत लाभार्थियों द्वारा किए गए मछली पालन तालाब सहित विभिन्न मछली पकड़ने की गतिविधियों का निरीक्षण किया।

महिला डिग्री कॉलेज में हिंदी दिवस आयोजित

करीमनगर (एजन्सी)

, करीमनगर सरकारी महिला महाविद्यालय में हिन्दी विभाग प्रमुख अनंतलक्ष्मी की देखरेख में महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर वरलक्ष्मी की अध्यक्षता में गुरुवार को हिन्दी दिवस सामरोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में हिन्दी के वरिष्ठ पत्रकार सय्यद इमामुद्दीन ने भाग लेते हुए कहा कि 14 सितंबर 1949 को भारतीय संविधान सभा ने हिंदी को भारत गणराज्य की आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया।

उन्होंने कहा कि वर्ष 1953 में, पहली बार 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया गया था। इसका उद्देश्य हिंदी भाषा के महत्व और प्रसार को बढ़ावा देना था। महिला महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ.वरलक्ष्मी ने कहा कि हिंदी भाषा भारत के अलग अलग राज्यों के अलग अलग धर्मो, जातियों, संस्कृति, वेशभूषा व खान-पान वाले लोगों को एकता के सूत्र में बांधती है और देश को एक रखती है। इतना ही नहीं हिंदी विदेशों में बसे भारतीयों को आपस में जोड़ने का काम भी करती है। उन्होंने कहा कि हिंदी अलग अलग क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के दिलों की दूरियों को मिटाती है। हिंदी के बढ़ावा देने के लिहाज से हिंदी दिवस का महत्त्वपूर्ण स्थान है। उप प्राचार्य डॉ.मसरूर सुल्ताना ने कहा कि हिंदी भाषा भारत की एकता की मजबूत कड़ी है। हिंदी को सिर्फ भाषा नहीं कहा जा सकता है। यह हमारी संस्कृति का हिस्सा है। यह हम भारतवासियों को एक-दूसरे से जोड़ने का काम करती है। यह हमारी पहचान का मजबूत आधार है। उन्होंने कहा कि हिन्दी को सिर्फ भाषा के रूप में देखना बहुत ही छोटा दृष्टिकोण होगा, क्योंकि यह हमारे भावों की अभिव्यक्ति है। हिन्दी व्याख्यता हिन्दी विभाग की प्रमुख डॉ. डी. अनंतलक्ष्मी ने सभी को हिन्दी दिवस की शुभकामनाएँ एवं धन्यवाद दिया और कहा कि हिन्दी भाषा को प्रोत्साहन देने के लिए प्रति वर्ष हिन्दी दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में कॉलेज छात्राओं के बीच निबंध लेखन प्रतियोगिता, कविता प्रतियोगिता, पोस्टर प्रस्तुति का कार्यक्रम किया गया। अवसर पर विजयी छात्राओं को पुरस्कार प्रदान किया गया।

वक्फ बोर्ड से अतिक्रमण नियंत्रण हेतु कलबुर्गी में वक्फ अदालत

कलबुर्गी (एजन्सी),

अल्पसंख्यक कल्याण, वक्फ और आवास मंत्री बी.जेड. ज़मीर अहमद खान ने कहा कि बोर्ड राज्य में वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा के लिए तैयार है और राज्य द्वारा प्रत्येक संपत्ति के चारों ओर एक परिसर बनाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बुधवार को कलबुरगी में आयोजित कलबुर्गी और यादगिरी जिलों के वक्फ अदालत कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए बोल रहे थे। राज्य में 1.08 लाख एकड़ वक्फ संपत्ति है, जिसमें से 85 हजार एकड़ का अतिक्रमण हुआ है। कलबुर्गी जिले में 21,440 एकड़ संपत्ति में से 3,610 एकड़ और यादगिरी जिले में 6,194 एकड़ में से 123 एकड़ संपत्ति का अतिक्रमण हुआ है।

उन्होंने कहा कि इस संपत्ति को वक्फ बोर्ड को वापस पाने के लिए यहां वक्फ अदालत का आयोजन किया जा रहा है। कलबुर्गी में हुई कैबिनेट बैठक में वक्फ बोर्ड ने कर्नाटक क्षेत्र के कलबुर्गी, बीदर, कोप्पल, विजयनगर समेत 15 जिलों के लिए कुल 47.76 करोड़ रुपये लागत पर प्रि युनिव्हर्सिटी कॉलेज के निर्माण को मंजूरी दे दी गई है।

जिससे अल्पसंख्यक छात्राओं की उच्च शिक्षा में मदद मिलेगी। बैंगलोर में हज भवन के मामले में, केवल एक महीने का उपयोग किया गया था और वर्ष के अन्य दिनों को वैसे ही छोड़ दिया गया था। अब बचे हुए 11 महीनों में अल्पसंख्यक समुदाय के अभ्यर्थियों के लिए आईएएस, आईपीएस परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण के लिए भवन का उपयोग करने का निर्णय लिया है। कर्नाटक राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष के. अनवर भाषा ने कहा कि हाल ही में राज्य में नई सरकार आने के बाद, बेलगाम, बीदर, कारवार, हुबली-धारवाड़, गडग में वक्फ अदालतें बुलाई गई हैं और खाता अद्यतन सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई है। वक्फ संपत्तियों के संरक्षण के लिए सर्वे, म्यूटेशन का समाधान किया गया है। अवसर पर कलबुर्गी उत्तर विधायक कनीज फातिमा,कर्नाटक राज्य वक्फ बोर्ड के सदस्य जी. याकूब, यादगिरी जिला वक्फ सलाहकार समिति के अध्यक्ष जहीरुद्दीन सवेरा, वक्फ बोर्ड के सीईओ जिलानी मोकाशी, पूर्व मेयर सैयद अहमद, नेता फराज उल इस्लाम, फजल खान, वहीद अली फतेखानी, जिला वक्फ अधिकारी हजरत अली, जरीना बेगम, कलबुर्गी जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी जावेद करांगी, के.एम.डी.सी. कलबुर्गी जिला प्रबंधक रवि देहरे, कलबुर्गी और यादगिरि जिलों के जिला वक्फ सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष और सदस्य और जनता के सैकड़ों सदस्य शामिल थे। जिला वक्फ सलाहकार समिति के अध्यक्ष सैयद हबीब सरमस्त ने स्वागत किया।

Printed,Published,Edited & Owned by Sandesh B. Bharadwaj Printed at RK Art Printers, AP HB Shop , Vidhya Nagar, Hyderabad (T.S.) 504001.Published from HO No 2-2-1103/5/3A,Himyathnagar, Hyderabad (T.S.) RNI APHIN/2009/29553 500027. E-mail: dailyhindihyd@gmail.com, Website- hindidaily.net